राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2515
तक्षक
नागराज
सर्वनायक वर्ष 2012
HEMANT
JAGDISH007
VIRENDRA

नरक नाशक नागराज

नागों की अनोखी शक्तियों से लैस यह मानव नाग जल-थल-आकाश में गमनशील अपने वाहन सर्प सर्पट पर सवार होकर अपनी तीन अनोखी नाग सुन्दरी मित्रों अग्निका, शीतिका, तक्षिका के साथ विश्व से अपराध का नरक खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

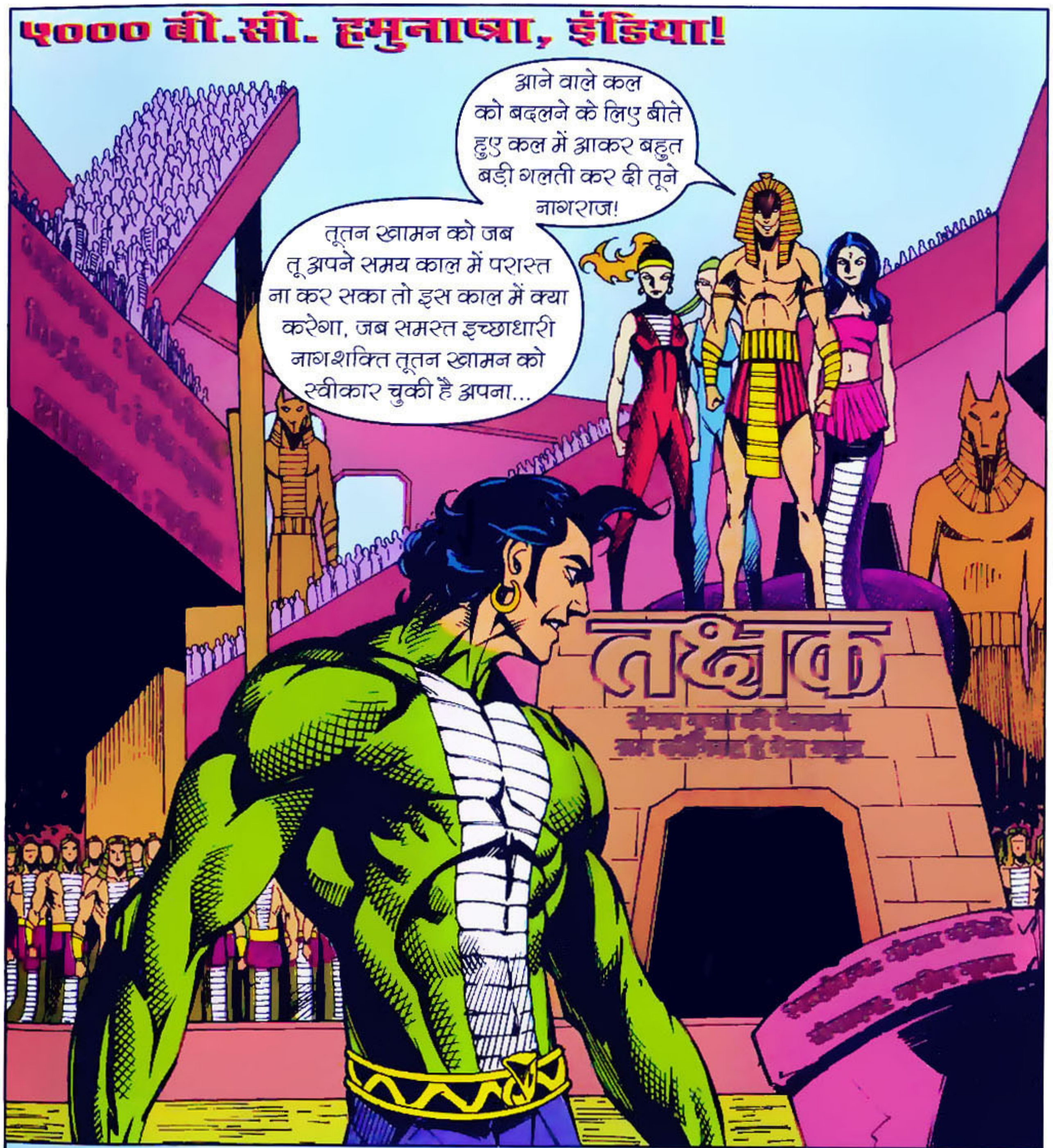

मकबरा में आपने पढ़ा - एक अज्ञात शक्ति ने थार मरुस्थल के गर्भ में छिपे युगों पुराने मकबरे को खोला और दूसरी दुनिया की शक्तियों ने महानगर में मचा दिया कत्ले-आम। इस अजीबो-गरीब घटना की तहकीकात में जुटे रिप (आर.आई.पी.-रिसर्च एंड इन्वेस्टिगेशन ऑफ पेरानोर्मल) के एजेंट्स गगन, विनाशदूत, ताहिरा और माँटी टकरा गए मिस्र की अंधेरी दुनिया की शक्तियों से जहां उनका साथ दिया नरक नाशक नागराज ने। अंधेरी दुनिया के खुदा अनूबिस से लड़ते हुए जब नागराज, गगन और विनाशदूत परास्त होने लगे तब उन्हें बचाने आई सूर्य देवता 'रा' की बेटी बस्तेत। परन्तु ताहिरा और माँटी पुरातन ममियों द्वारा बंदी बना लिए गए। वे ममियां उन्हें ले गईं मकबरे के भीतर जहां उनके सामने जीवित हुआ मिस्र का फराहो राजा, तंत्र तक्षक तूतन खामन। अब आगे पढ़ें।

अब तुम्हारा क्या कहना है?
...नागराज की मौत! अभी तुम्हारी बाज़ी है, तुम अपनी चाल चल चुको फिर मैं अपनी चलूंगा।
वैसे तुम करने क्या वाले हो?
नागराज वहां पहुंच गया है...
नागफन विषंधर की सर्पेन्द्रियां महसूस कर सकती हैं उसे।
हम दोनों का काम करने का तरीका अलग है किन्तु मकसद एक...
नागराज को ऐसी जगह ले जाकर मारूंगा जहां उसकी शक्तियां स्वयं ही उसकी शत्रु बन जाएंगी।

ह्मजुत विल्त्वी दसताने हल्वाकी (विचित्र वेशभूषा वाले मानव हैं ये, इन्हें यहां पहले कभी नहीं देखा)।
ज्त्मे वकुल या दामी मेदिनेत हाबू (कौन हो तुम अजनबी)?
मेरा नाम नागराज है, ये गगन और विनाशदूत हैं।
हम थार मरुस्थल में थे, एक भीषण चक्रवात में फंस कर यहां पहुंच गए हैं।
उस व्यक्ति ने शायद प्राचीन मिस्र भाषा का प्रयोग किया लेकिन हमें उसकी बात इतनी स्पष्ट कैसे समझ आ गई?
तुम्हारी वेशभूषा की तरह ही तुम्हारे नाम और तुम्हारा बताया स्थान भी विचित्र है।
पूरे मिस्र या आस-पास मैंने कभी थार नामक स्थान के बारे में नहीं सुना।
ये अवश्य ही उस नए फराहो के भेजे हुए आदमी हैं, खत्म कर दो इन्हें।
फराहो? कुछ तो गड़बड़ है...
...हम शायद किसी तरह पांच हज़ार साल पीछे मिस्र में पहुंच गए हैं।
जिस भी शक्ति ने हमें इस काल में भेजा है शायद...
...उसी ने हममें इनकी भाषा समझ सकने की क्षमता विकसित कर दी है।

हुम्म! यह हुआ कैसे बाद में सोचेंगे, पहले इन हत्यारों से निपटा जाए।
इनके वार बेहद सटीक और इनके हथियार तीव्र विष से बुझे हुए हैं।
मुझ पर तो इस विष का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा पर ये तीव्र विष तुम दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है।
ऊंटों पर सवार होने के कारण इन पर वार करना मुश्किल है, पहले जरा इन्हें ऊंटों से नीचे लाया जाए।
सांप! इस नागराज की कलाइयों से सांप निकल रहे हैं। अब तो कोई शक नहीं रहा, ये वाकई तूतन खामन का ही आदमी है।

यह आया ऊंट पहाड़ से और अकेडीयन ऊंट से नीचे, शाबाश नागराज!
राजाओं की परिषद ठीक कहती थी।
अद्भुत नाग शक्तियां तूतन खामन की गुलाम हैं जिनके होते उसे मारना असंभव है।
तुम लोग तूतन खामन को मारने जा रहे थे ?
हां, पर उस मायावी तूतन ने पहले ही तुम लोगों को हमें मारने भेज दिया।
हमें तूतन खामन ने नहीं भेजा है अक्काडा! अब तुम मेरे प्रश्नों के उत्तर पूरी तत्परता से दोगे।
थार मरुथर, भारत!
वर्तमान
...और उस चक्रवात ने हमें यहां ला फैंका प्रोफेसर!
ना जाने गगन विनाशदूत कहां और किस हाल में हैं।
गगन और विनाशदूत जहां भी हैं उनसे संपर्क स्थापित नहीं हो पा रहा।
यानी अभी आई मुसीबत से तुम दोनों को ही जाकर निपटना होगा।
कैसी मुसीबत ?

"मिस्र की राजधानी कायरो के इजिप्शियन म्यूजियम में अनगिनत ममी सैनिकों ने कोहराम मचा दिया है।"
बूम
धड़ाम
लेकिन हम इतनी जल्दी कायरो पहुंचेंगे कैसे?
उड़ कर!
उड़ कर?
मॉटी की संगत में रह कर आप भी मज़ाक करने लगे प्रोफेसर?
नो! मैं सीरियस हूं।
अपने पीछे देखो!
मुझे मिस किया दोस्तों?
चेतक!!!
सभी सुधारों के बाद अब यह तुम्हारे साथ जाने को तैयार है...
यह तुम्हें सुपर सोनिक स्पीड से कुछ ही पलों में कायरो पहुंचा देगा।
कायरो
बूम
बूम
बूम
मुझसे तो एक्शन के लिए रुका ही नहीं जा रहा, पी.पी.डी. गन एक्टीवेट!!!

बूम
धड़ाम
ये ममी सैनिक बाहर तोड़-फोड़ कर लोगों व सेना का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं जबकि अन्य ममी सैनिक म्यूजियम के भीतर तोड़-फोड़ कर रहे हैं। ज़ाहिर सी बात है कि ममी सैनिक म्यूजियम के भीतर कोई महत्वपूर्ण वस्तु तलाश रहे हैं। म्यूजियम के भीतर चलो चेतक।
हमारे भीतर आते ही इन ममी सैनिकों का ध्यान हम पर आ गया है।
तड़ाक
सर्र्र्र्र्राट
शेर के मुंह और और अजगर के शरीर वाला प्राचीन मिस्र पुराणों का सर्प दैत्य।
शायद यह उस सांचे से ज़िंदा हुआ है।

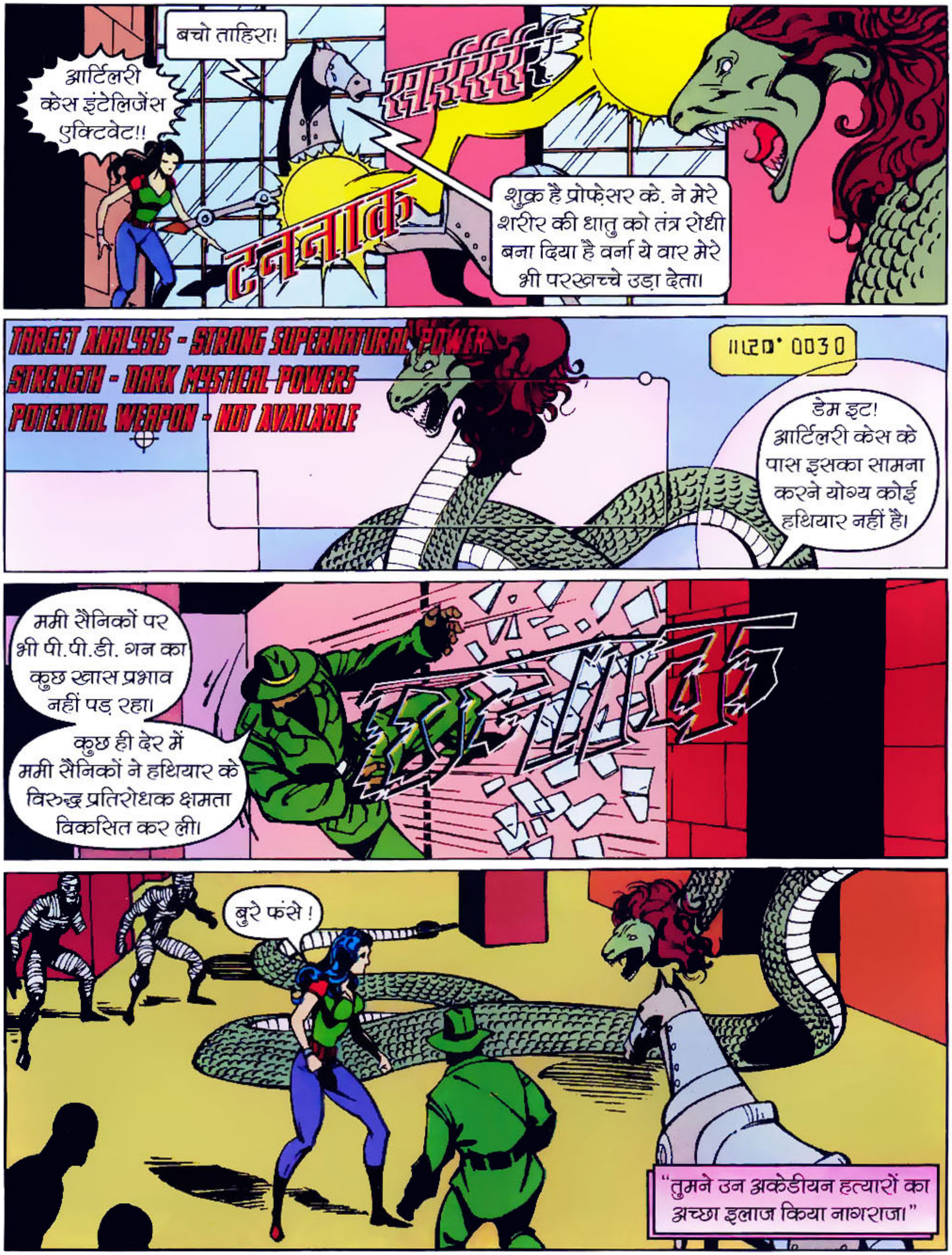
आर्टिलरी केस इंटेलिजेंस एक्टिवेट!!
बचो ताहिरा!
शुक्र है प्रोफेसर के. ने मेरे शरीर की धातु को तंत्र रोधी बना दिया है वर्ना ये वार मेरे भी परखच्चे उड़ा देता।
TARGET ANALYSIS - STRONG SUPERNATURAL POWER
STRENGTH - DARK MYSTICAL POWERS
POTENTIAL WEAPON - NOT AVAILABLE
डेम इट! आर्टिलरी केस के पास इसका सामना करने योग्य कोई हथियार नहीं है।
ममी सैनिकों पर भी पी.पी.डी. गन का कुछ खास प्रभाव नहीं पड़ रहा।
कुछ ही देर में ममी सैनिकों ने हथियार के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली।
बुरे फंसे!
"तुमने उन अकेडीयन हत्यारों का अच्छा इलाज किया नागराज।"

मरने के लिए छोड़ गया ज़ालिम।
परन्तु क्या तुम्हें अक्काडा की बात पर विश्वास है?
सम्मोहन की स्थिती में कोई भी व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता।
अक्काडा के मुताबिक यहां से ठीक पन्द्रह कोस दूर मुर्दों की घाटी के मध्य में वह स्थान स्थित है जहां हमें पहुंचना है।
और वहां तक हमें पहुंचाएगा सरपट।
तूतन खामन ने लड़ाई के दौरान तुम्हें तक्षक कह कर क्यों पुकारा था?
समस्त इच्छाधारी नागों के राजा को तक्षक कहते हैं।
पर मैं इच्छाधारी नागों का राजा नहीं हूं और तूतन खुद को तक्षक क्यों कह रहा था इसका पता तो तभी चलेगा जब हम पहुचेंगे...

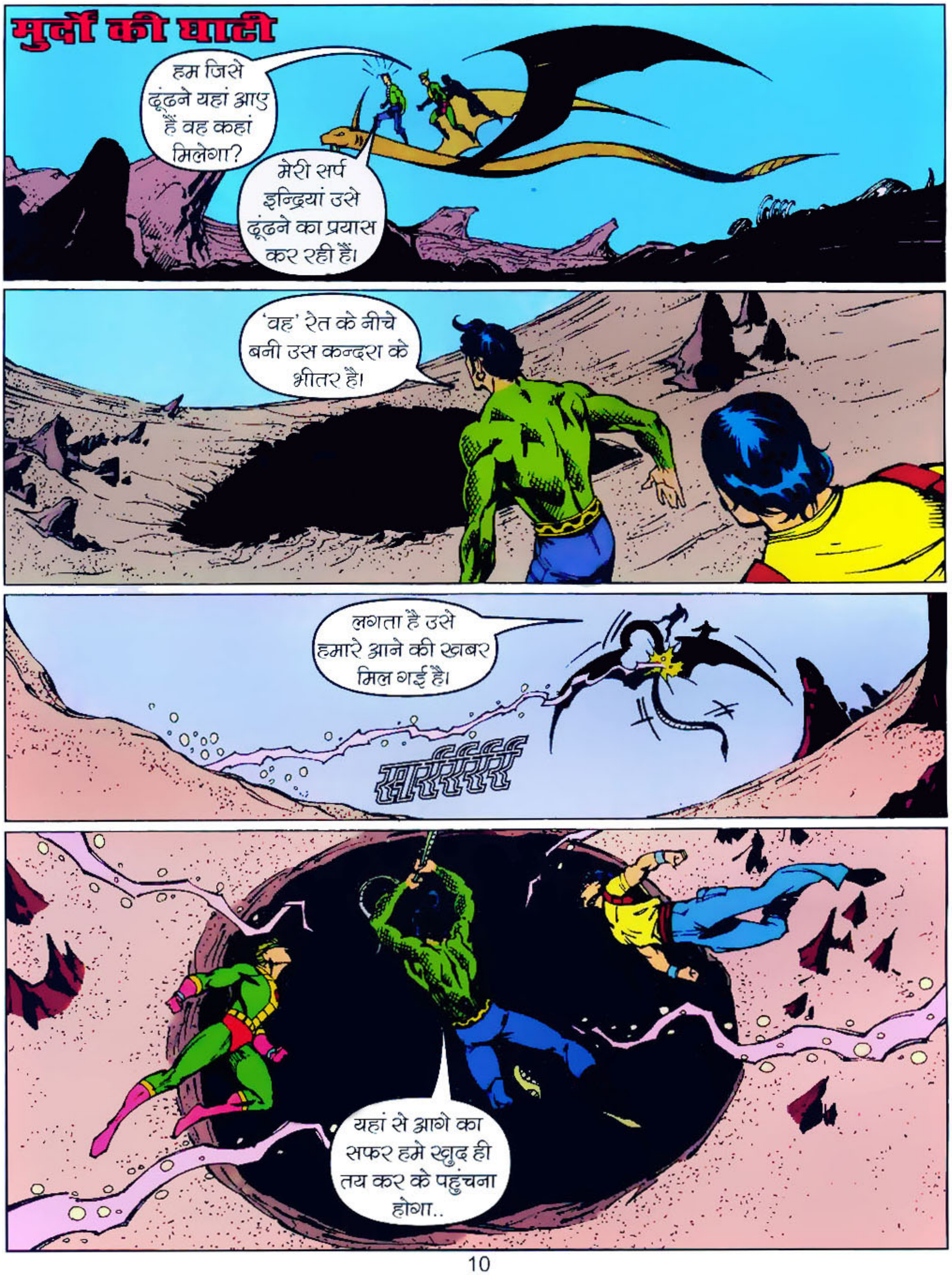
मुर्दों की घाटी
हम जिसे ढूंढने यहां आए हैं वह कहां मिलेगा?
मेरी सर्प इन्द्रियां उसे ढूंढने का प्रयास कर रही हैं।
'वह' रेत के नीचे बनी उस कन्दरा के भीतर है।
लगता है उसे हमारे आने की खबर मिल गई है।
यहां से आगे का सफर हमे खुद ही तय कर के पहुंचना होगा..

गर्रर्र्र्र्र
...तूतन खामन के सेवक सर्प दैत्य च्नोबियस तक।
इसके मां-बाप में शेर कौन था और नाग कौन?
स्स्स
लगता है तुम्हारा जोक इसे पसंद नहीं आया गगन!
ग्रार्र
देखते हैं वार पसंद आता है या नहीं।
सर्र्र्र्र
खचाक
खच
ओह्ह!!
बचो गगन! इसके तन्त्र वार से कन्दरा की नुकीली चट्टानें पत्थर के सर्पों की तरह हम पर प्रहार कर रही हैं।

पाषाण सर्पी!
अद्भुत ! तुम्हारे नाग तो पत्थर के भालों के समान इन नुकीली चट्टानों को काट रहे हैं नागराज!
तड़ाक
कड़ाक
कड़
यह पाषाण सर्पी हैं। इनके शरीर पर उभरे शल्क पाषाण की तरह सख्त होते हैं।
पाषाण सर्पी अभेद ढाल भी हैं और अचूक हथियार भी।
वह बाहर भाग रहा है।
कन्दरा से बाहर यह ज्यादा वेग से वार कर सकेगा और...

...अधिक
चपलता से हमारे वार
बचाएगा।
यह तो रेतीली ज़मीन में घुस गया।
सर्रर्र
अंदर घुस कर अपने संबंधियों को बाहर भेज रहा है।
तो हम इन्हें फिर से अंदर भेज देते हैं।
बूम
बूम
बूम
सर्रर्र
ओह! वे नरकंकाल तो सिर्फ ध्यान बंटाने के लिए हैं।
च्नोबियस बाहर निकल कर फिर हम पर हमला कर रहा है।
धड़ाम
और इस पर वार करने से पहले ही यह दुबारा रेत में घुस रहा है।

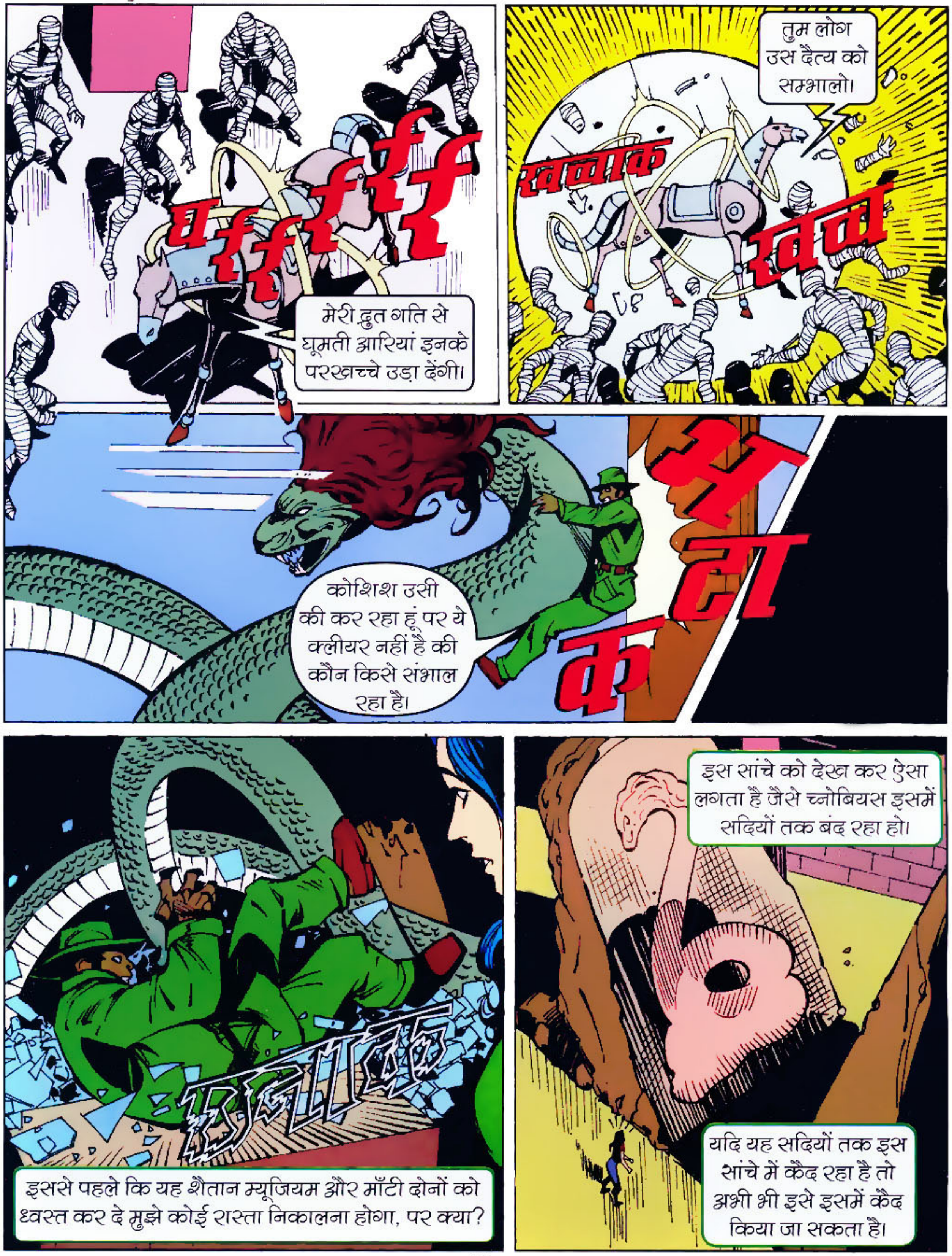
मेरी द्रुत गति से घूमती आरियां इनके परखच्चे उड़ा देंगी।
तुम लोग उस दैत्य को सम्भालो।
खचाक
खच्च
कोशिश उसी की कर रहा हूं पर ये क्लीयर नहीं है की कौन किसे संभाल रहा है।
इससे पहले कि यह शैतान म्यूजियम और माँटी दोनों को ध्वस्त कर दे मुझे कोई रास्ता निकालना होगा, पर क्या?
इस सांचे को देख कर ऐसा लगता है जैसे च्नोबियस इसमें सदियों तक बंद रहा हो।
यदि यह सदियों तक इस सांचे में कैद रहा है तो अभी भी इसे इसमें कैद किया जा सकता है।

मॉंटी!! चेतक! तुम दोनों मिल कर इसे उस खोल की ओर धकेलने की कोशिश करो!
च्यूम
काम मुश्किल है पर करना तो पड़ेगा, आजा मेरे टिन के घोड़े!
गर्र्र्र! बंदर!
हमें जल्द ही इस मुसीबत से निपटने का तरीका सोचना होगा!
च्यूम
इन नर कंकालों से लड़ते-लड़ते तो दिमाग पर पत्थर पड़ गए हैं, इस च्नोबियस का इंतजाम क्या खाक सोचें।
पत्थर!! थैंक्स गगन, मुझे च्नोबियस का इंतजाम करने का तरीका समझ आ गया।
अग्निका
फर्र्र्र्र
अग्निका, नर कंकालों को हमसे दूर रखेगी।
तब तक मेरे नागसैनिक इस कन्दरा के चारों ओर की धरती पोली कर देंगे...

जिससे कि मैं(हम्फ)...इस कन्दरा को इसके स्थान से(हम्फ) उखाड़ सकूं!
कड़ड़ड़ड़
हियाााााााााााााह!!
कड़ड़ड़ड़ ड़ड़ ड़ड़ ड़ाम
छांय
गगन, च्नोबियस को उस दिशा में लाओ जिधर मैं यह कन्दरा उछाल रहा हूं!
विनाशदूत रेडी?
बिल्कुल!
सर्रर्र

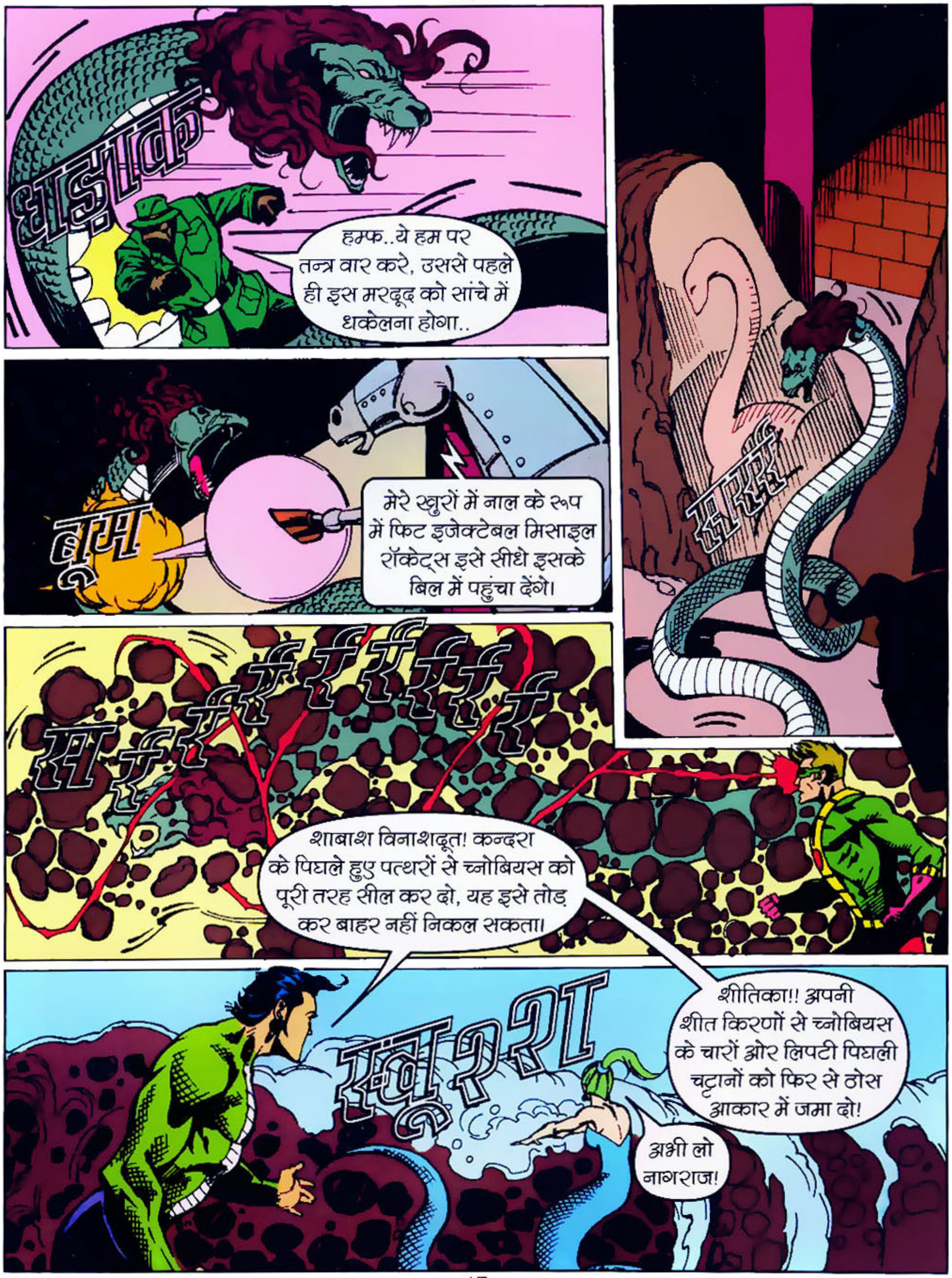
धड़ाक
हम्फ..ये हम पर तन्त्र वार करे, उससे पहले ही इस मरदूद को सांचे में धकेलना होगा..
बूम
मेरे खुरों में नाल के रूप में फिट इजेक्टेबल मिसाइल रॉकेट्स इसे सीधे इसके बिल में पहुंचा देंगे।
सर्र्र्र
सर्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र
शाबाश विनाशदूत! कन्दरा के पिघले हुए पत्थरों से च्नोबियस को पूरी तरह सील कर दो, यह इसे तोड़ कर बाहर नहीं निकल सकता।
शीतिका!! अपनी शीत किरणों से च्नोबियस के चारों ओर लिपटी पिघली चट्टानों को फिर से ठोस आकार में जमा दो!
खूश्श
अभी लो नागराज!

स र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र
गुड जॉब मॉंटी एंड चेतक।
चेतक अपनी लेजर किरणों से इस सांचे को च्नोबियस के दोबारा बाहर निकल पाने से पहले ही सील...अरे..
च्नोबियस के सांचे में गिरते ही सांचा तीव्र प्रकाश के साथ खुद ही सील हो रहा है!!!
र-बू-रा!!!!!
"तुम्हारा आइडिया तो कमाल का था नागराज!"
च्नोबियस खुद अपनी ही मूर्ती बन गया और इसके मूर्ती बनते ही हम पर हमला करते नर कंकाल भी निष्प्राण हो गए।
परंतु तुम सभी के सहयोग के बिना इससे पार पाना मुश्किल था।
लेकिन तुमने कैसे जाना कि च्नोबियस अपनी कन्दरा की चट्टानों में कैद हो सकता है?
इसने हमसे लड़ाई के दौरान कन्दरा से बाहर आने के लिए रेतीली धरती के मार्ग का प्रयोग किया जबकि अपनी शक्ति से यह कन्दरा की चट्टानों में हमें दफन कर सकता था!

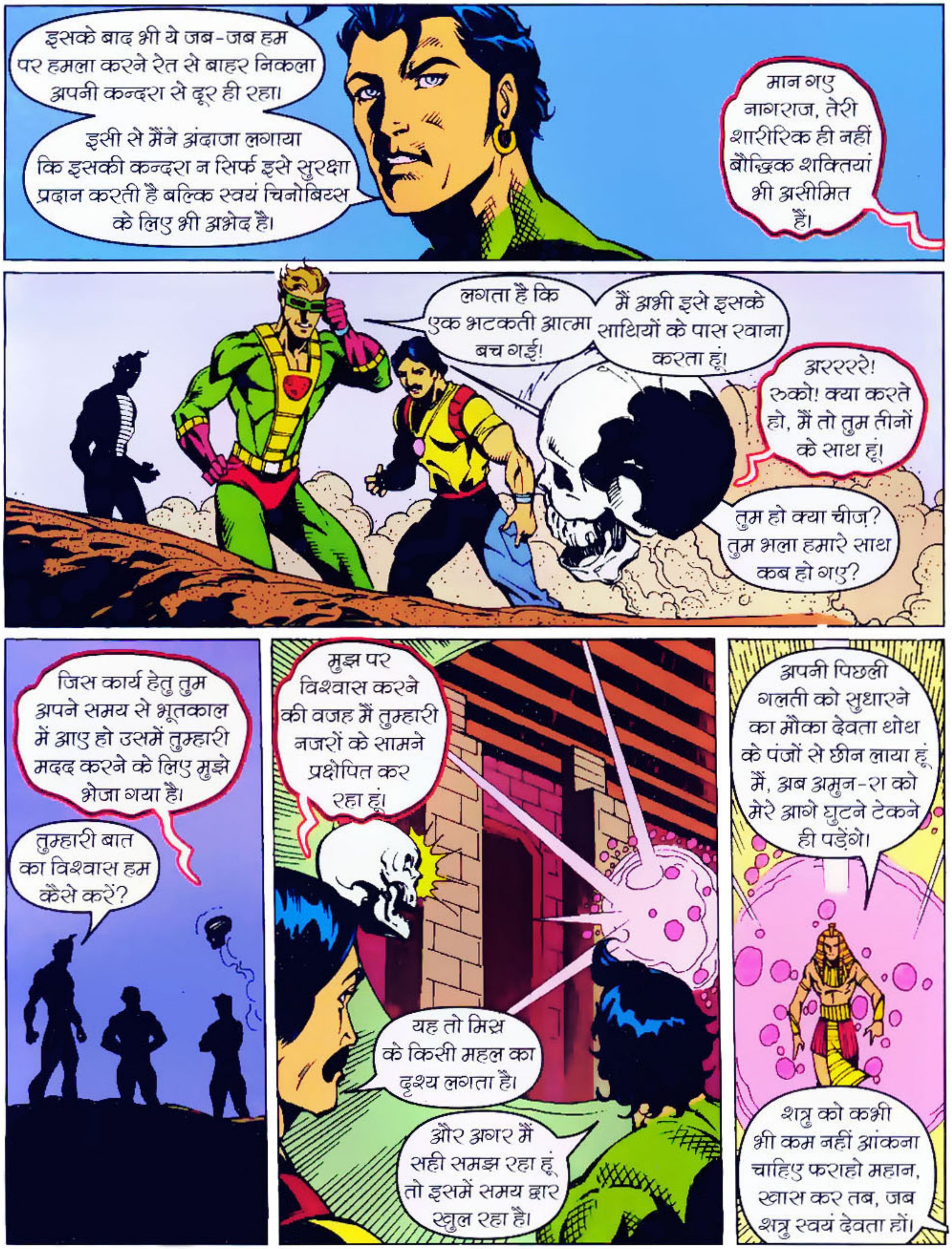
इसके बाद भी ये जब-जब हम पर हमला करने रेत से बाहर निकला अपनी कन्दरा से दूर ही रहा।
इसी से मैंने अंदाजा लगाया कि इसकी कन्दरा न सिर्फ इसे सुरक्षा प्रदान करती है बल्कि स्वयं चिनोबिरस के लिए भी अभेद है।
मान गए नागराज, तेरी शारीरिक ही नहीं बौद्धिक शक्तियां भी असीमित हैं।
लगता है कि एक भटकती आत्मा बच गई!
मैं अभी इसे इसके साथियों के पास रवाना करता हूं।
अरररररे! रुको! क्या करते हो, मैं तो तुम तीनों के साथ हूं।
तुम हो क्या चीज़? तुम भला हमारे साथ कब हो गए?
जिस कार्य हेतु तुम अपने समय से भूतकाल में आए हो उसमें तुम्हारी मदद करने के लिए मुझे भेजा गया है।
तुम्हारी बात का विश्वास हम कैसे करें?
मुझ पर विश्वास करने की वजह मैं तुम्हारी नजरों के सामने प्रक्षेपित कर रहा हूं।
यह तो मिस्र के किसी महल का दृश्य लगता है।
और अगर मैं सही समझ रहा हूं तो इसमें समय द्वार खुल रहा है।
अपनी पिछली गलती को सुधारने का मौका देवता थोथ के पंजों से छीन लाया हूं मैं, अब अमुन-रा को मेरे आगे घुटने टेकने ही पड़ेंगे।
शत्रु को कभी भी कम नहीं आंकना चाहिए फराहो महान, खास कर तब, जब शत्रु स्वयं देवता हों।

नागतांत्रिक नागफन विषंधर!
फराहो को गुलाम का प्रणाम!
बिलकुल सही समय पर आए हो तुम!
क्षमा चाहता हूं फराहो! परन्तु आपने वापस आने में थोड़ी देर कर दी। दुश्मन हमारे एक योद्धा को परास्त कर चुका है।
क्या कह रहे हो विषंधर? तुम्हें कैसे पता कि मैं समय यात्रा कर के वापस आया हूं?
मुझे ज्ञात है कि आप भविष्य से यहां अपना हारा हुआ युद्ध जीतने वापस आए हैं।
परन्तु अमुन-रा ने चालबाजी से आपके साथ-साथ नागराज और उसके साथियों को समय द्वार से यहां भेज दिया है।
और उन्होने आपके सेवक च्नोबियस को परास्त कर दिया है।
असंभव! च्नोबियस को तो सिर्फ एक..
...तक्षक ही हरा सकता था! और नागराज एक तक्षक है।
जाहिर बात है कि नागराज और उसके साथी अब आपके बाकी शक्तिशाली योद्धाओं को भी खत्म करने की कोशिश करेंगे।
उससे पहले हम खुद नागराज को अपने हाथों से मौत देंगे!!
नागराज व उसके साथियों से अभी सीधे युद्ध करने का मतलब अपनी शक्ति व समय व्यर्थ करना है।
अभी अमुन-रा से युद्ध के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ योद्धाओं को एकत्र करने का समय है।
नागराज और उसके साथियों के लिए यह समय काल और यहां की शक्तियां अनजान हैं।
तूतन के शक्तिशाली सेवकों से वो इस काल में बच नहीं सकेंगे।

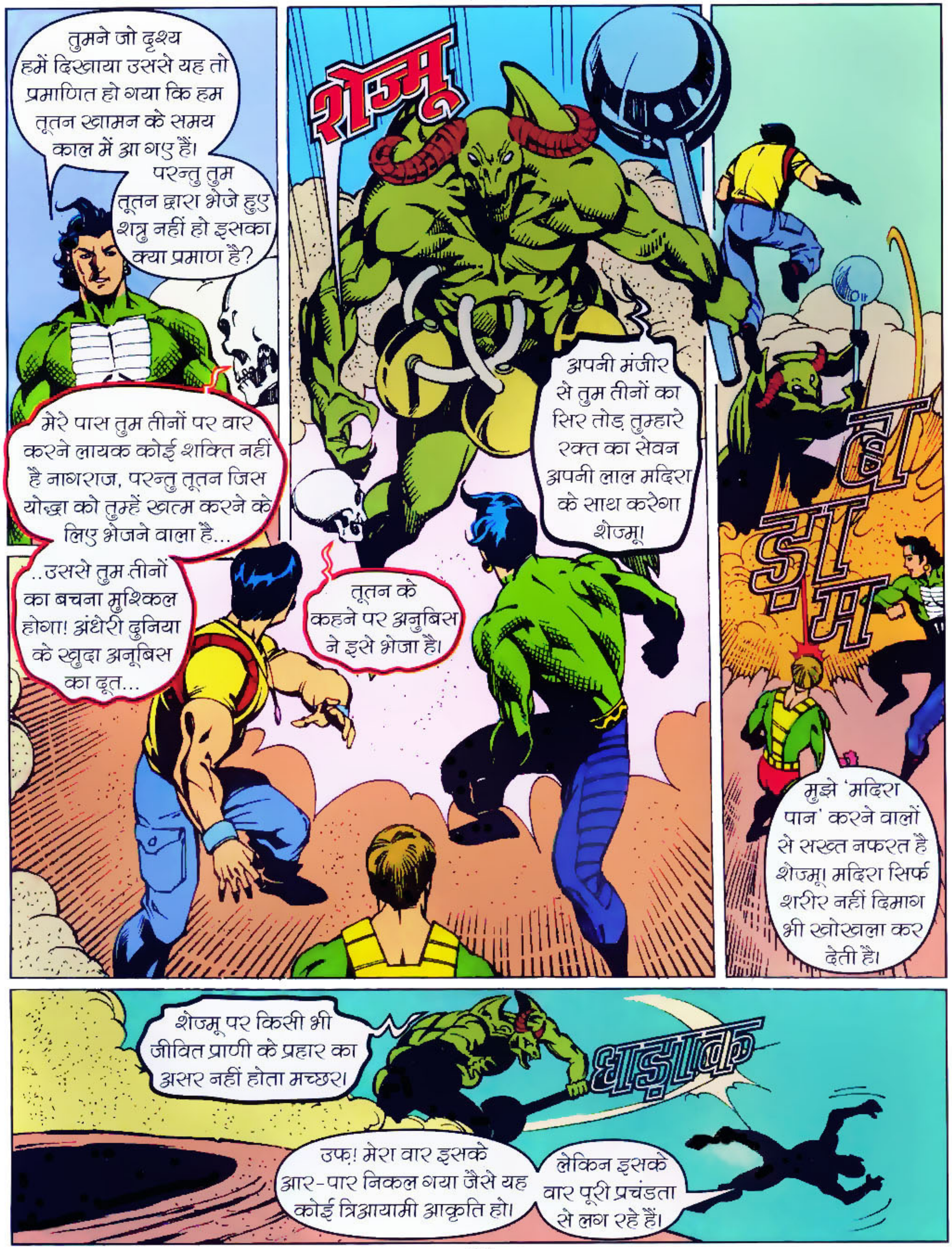
तुमने जो दृश्य हमें दिखाया उससे यह तो प्रमाणित हो गया कि हम तूतन खामन के समय काल में आ गए हैं।
परन्तु तुम तूतन द्वारा भेजे हुए शत्रु नहीं हो इसका क्या प्रमाण है?
मेरे पास तुम तीनों पर वार करने लायक कोई शक्ति नहीं है नागराज, परन्तु तूतन जिस योद्धा को तुम्हें खत्म करने के लिए भेजने वाला है...
..उससे तुम तीनों का बचना मुश्किल होगा! अंधेरी दुनिया के खुदा अनूबिस का दूत...
शेज्मू
तूतन के कहने पर अनुबिस ने इसे भेजा है।
अपनी मंजीर से तुम तीनों का सिर तोड़ तुम्हारे रक्त का सेवन अपनी लाल मदिरा के साथ करेगा शेज्मू!
धड़ाम
मुझे 'मदिरा पान' करने वालों से सख्त नफरत है शेज्मू। मदिरा सिर्फ शरीर नहीं दिमाग भी खोखला कर देती है।
शेज्मू पर किसी भी जीवित प्राणी के प्रहार का असर नहीं होता मच्छर।
धड़ाक
उफ! मेरा वार इसके आर-पार निकल गया जैसे यह कोई त्रिआयामी आकृति हो।
लेकिन इसके वार पूरी प्रचंडता से लग रहे हैं।

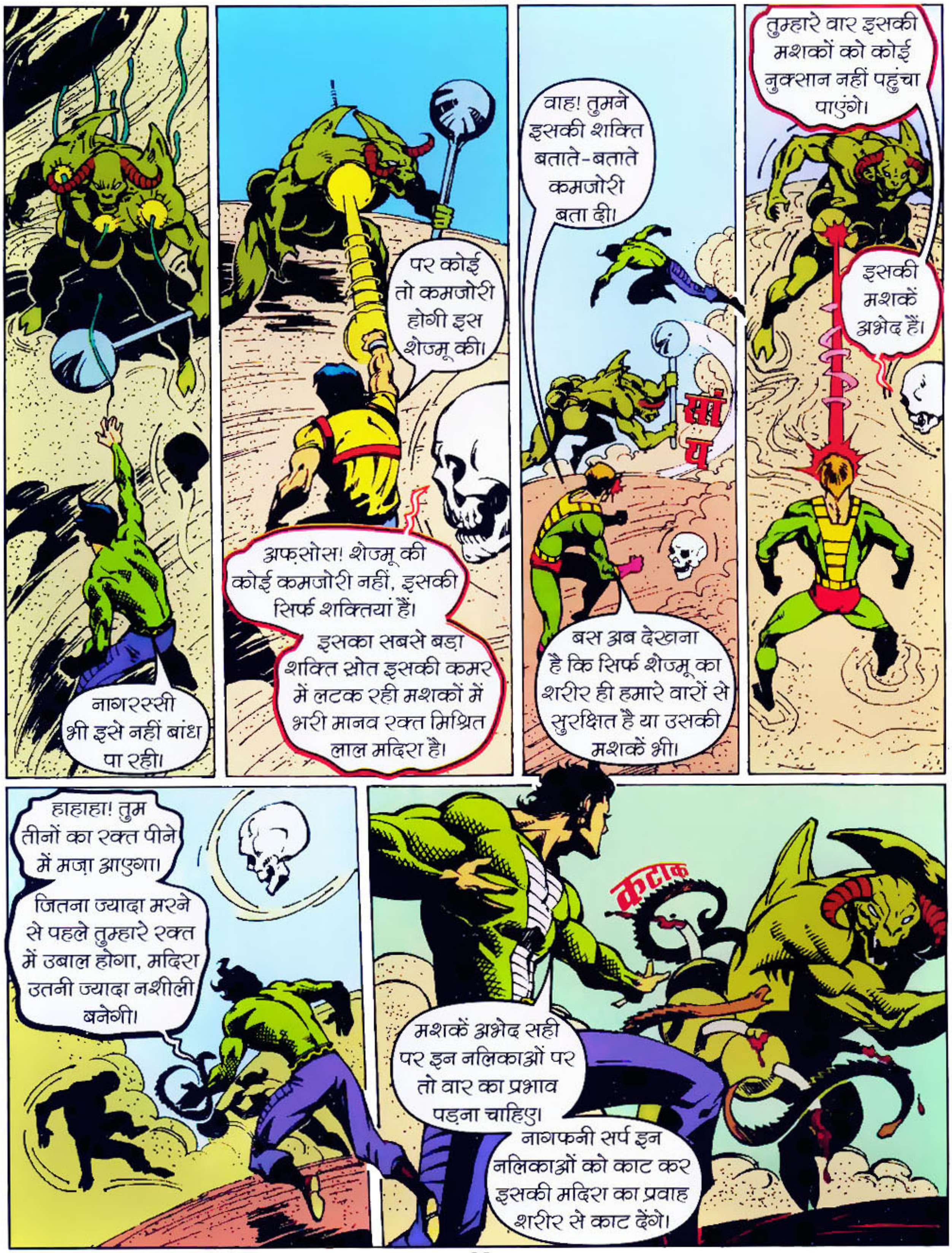
नागरस्सी भी इसे नहीं बांध पा रही।
पर कोई तो कमजोरी होगी इस शेजमू की।
अफ़सोस! शेजमू की कोई कमजोरी नहीं, इसकी सिर्फ शक्तियां हैं।
इसका सबसे बड़ा शक्ति स्रोत इसकी कमर में लटक रही मशकों में भरी मानव रक्त मिश्रित लाल मदिरा है।
वाह! तुमने इसकी शक्ति बताते-बताते कमजोरी बता दी।
सां
य
बस अब देखना है कि सिर्फ शेजमू का शरीर ही हमारे वारों से सुरक्षित है या उसकी मशकें भी।
तुम्हारे वार इसकी मशकों को कोई नुक्सान नहीं पहुंचा पाएंगे।
इसकी मशकें अभेद हैं।
हाहाहा! तुम तीनों का रक्त पीने में मजा आएगा।
जितना ज्यादा मरने से पहले तुम्हारे रक्त में उबाल होगा, मदिरा उतनी ज्यादा नशीली बनेगी।
कटाक
मशकें अभेद सही पर इन नलिकाओं पर तो वार का प्रभाव पड़ना चाहिए।
नागफनी सर्प इन नलिकाओं को काट कर इसकी मदिरा का प्रवाह शरीर से काट देंगे।

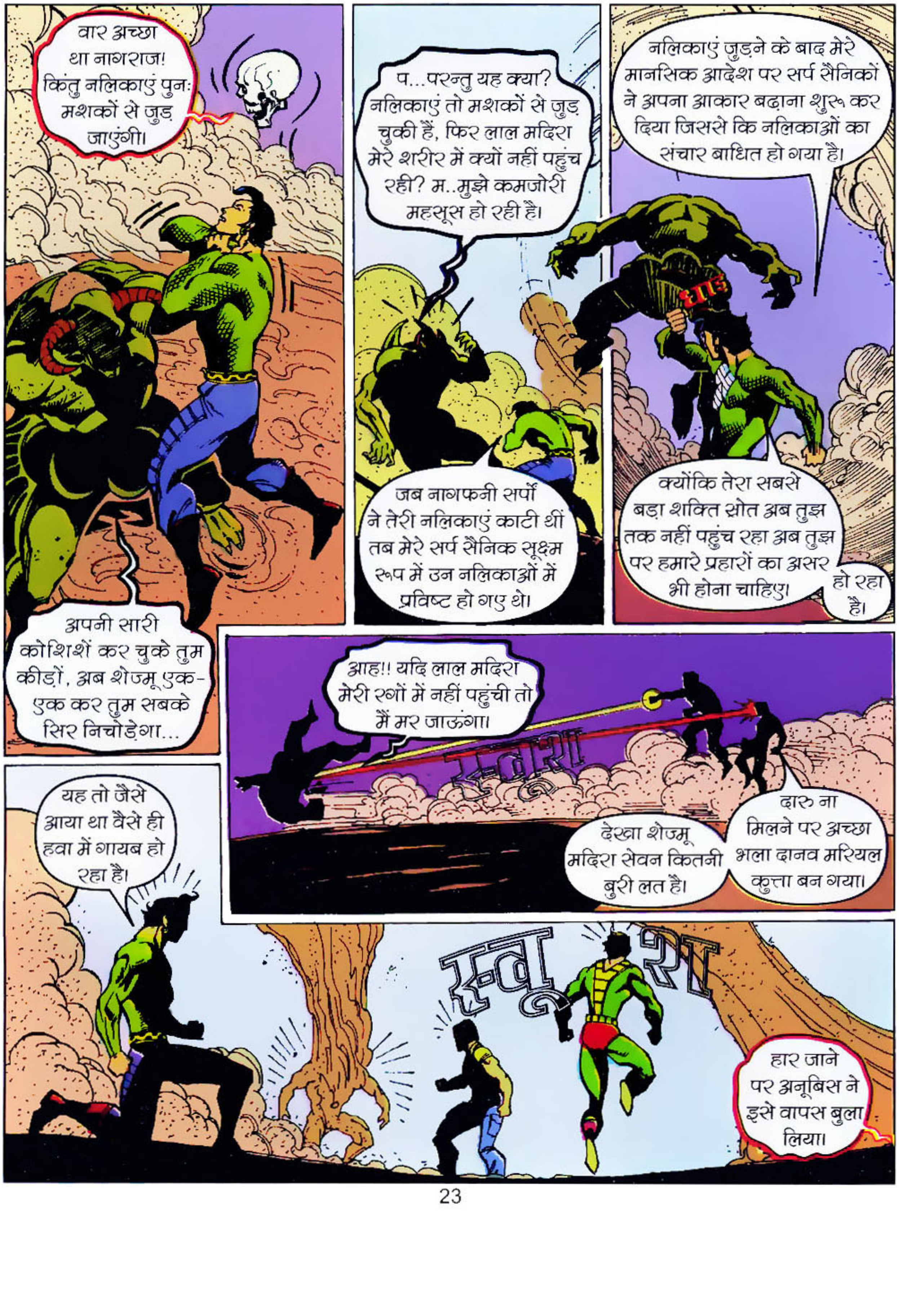
वार अच्छा था नागराज! किंतु नलिकाएं पुनः मशकों से जुड़ जाएंगी।
अपनी सारी कोशिशें कर चुके तुम कीड़ों, अब शेज्मू एक-एक कर तुम सबके सिर निचोड़ेगा...
प...परन्तु यह क्या? नलिकाएं तो मशकों से जुड़ चुकी हैं, फिर लाल मदिरा मेरे शरीर में क्यों नहीं पहुंच रही? म..मुझे कमजोरी महसूस हो रही है।
जब नागफनी सर्पों ने तेरी नलिकाएं काटी थीं तब मेरे सर्प सैनिक सूक्ष्म रूप में उन नलिकाओं में प्रविष्ट हो गए थे।
नलिकाएं जुड़ने के बाद मेरे मानसिक आदेश पर सर्प सैनिकों ने अपना आकार बढ़ाना शुरू कर दिया जिससे कि नलिकाओं का संचार बाधित हो गया है।
क्योंकि तेरा सबसे बड़ा शक्ति स्रोत अब तुझ तक नहीं पहुंच रहा अब तुझ पर हमारे प्रहारों का असर भी होना चाहिए।
हो रहा है।
आह!! यदि लाल मदिरा मेरी रगों में नहीं पहुंची तो मैं मर जाऊंगा।
स्वाहा
देखा शेज्मू मदिरा सेवन कितनी बुरी लत है।
दारु ना मिलने पर अच्छा भला दानव मरियल कुत्ता बन गया।
यह तो जैसे आया था वैसे ही हवा में गायब हो रहा है।
स्वूश
हार जाने पर अनूबिस ने इसे वापस बुला लिया।

अब तो विश्वास हुआ कि मैं तुम लोगों के साथ हूं?
विश्वास करने के अलावा और कोई चारा भी नहीं है।
फिलहाल हमें तूतन खामन तक पहुंचना है।
ठोक
तूतन खामन तक पहुंचने में मैं तुम लोगों की मदद कर सकता हूं।
पूरे म्यूजियम में ऐसा कोई सुराग नहीं मिला जिससे तूतन खामन या गगन, विनाशदूत और नागराज के बारे में कुछ पता चले।
च्नोबियस के अचानक मूर्ती बनने का राज़ भी समझ नहीं आ रहा।
ताहिरा! तुम तीनों मिस्र के अल-गीज़ा नामक स्थान पर स्थित गीज़ा पिरामिड पहुंचो!
एक नई मुसीबत वहां तुम्हारा इंतज़ार कर रही है।
ठीक है प्रोफेसर!
यह कौन सा स्थान है मुंड?
अल-गीज़ा के रेगिस्तान का ये वही स्थान है जहां आज से ढाई हज़ार साल बाद फराहो खुफु गीज़ा की पिरामिड का निर्माण कराएगा।
बशर्ते उससे पहले तूतन दुनिया को तबाह न कर दे।
सभ्यता के आरम्भ से ही कई विनाशकारी और चमत्कारी शक्तियां मिस्र की धरती के नीचे निवास करती आई हैं।
जिनमें से एक इच्छाधारी भी हैं। तूतन खामन ने इन्हीं इच्छाधारियों को अपना गुलाम बनाया है...

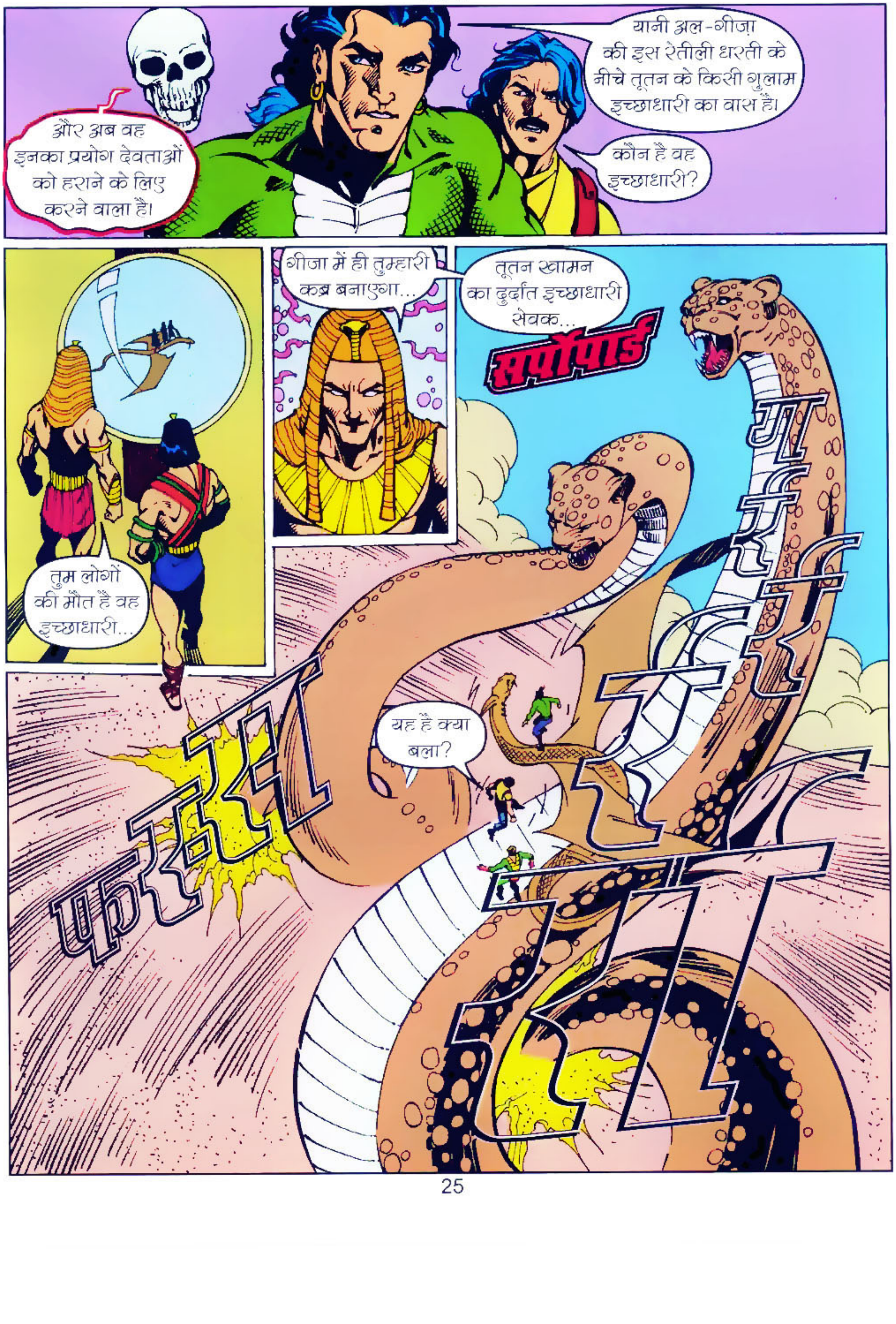
और अब वह इनका प्रयोग देवताओं को हराने के लिए करने वाला है।
यानी अल-गीज़ा की इस रेतीली धरती के नीचे तूतन के किसी गुलाम इच्छाधारी का वास है।
कौन है वह इच्छाधारी?
तुम लोगों की मौत है वह इच्छाधारी...
गीजा में ही तुम्हारी कब्र बनाएगा...
तूतन खामन का दुर्दांत इच्छाधारी सेवक...
सर्पोपार्ड
यह है क्या बला?

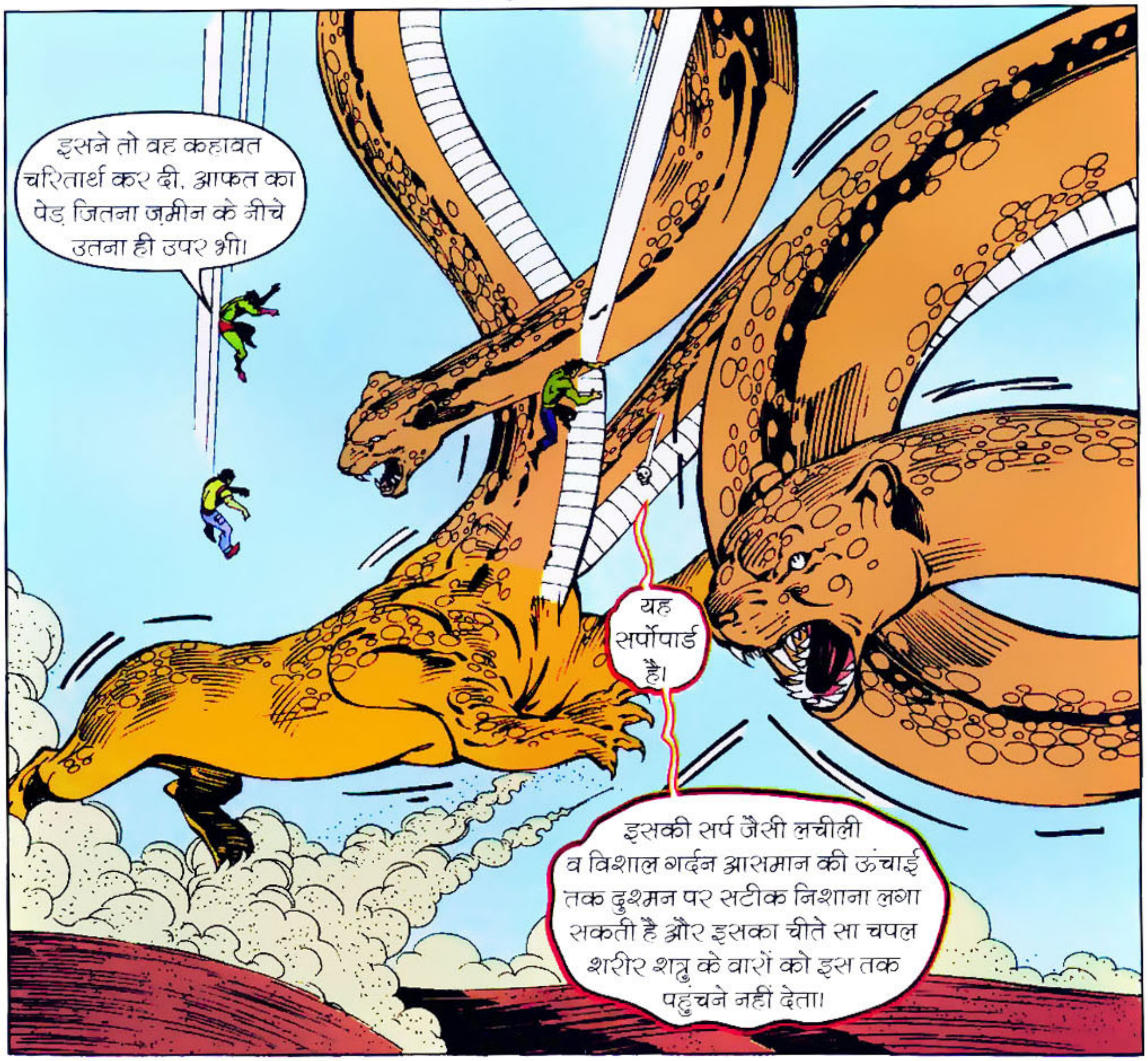
इसने तो वह कहावत चरितार्थ कर दी, आफत का पेड़ जितना ज़मीन के नीचे उतना ही ऊपर भी।
यह सर्पोपार्ड है।
इसकी सर्प जैसी लचीली व विशाल गर्दन आसमान की ऊंचाई तक दुश्मन पर सटीक निशाना लगा सकती है और इसका चीते सा चपल शरीर शत्रु के वारों को इस तक पहुंचने नहीं देता।

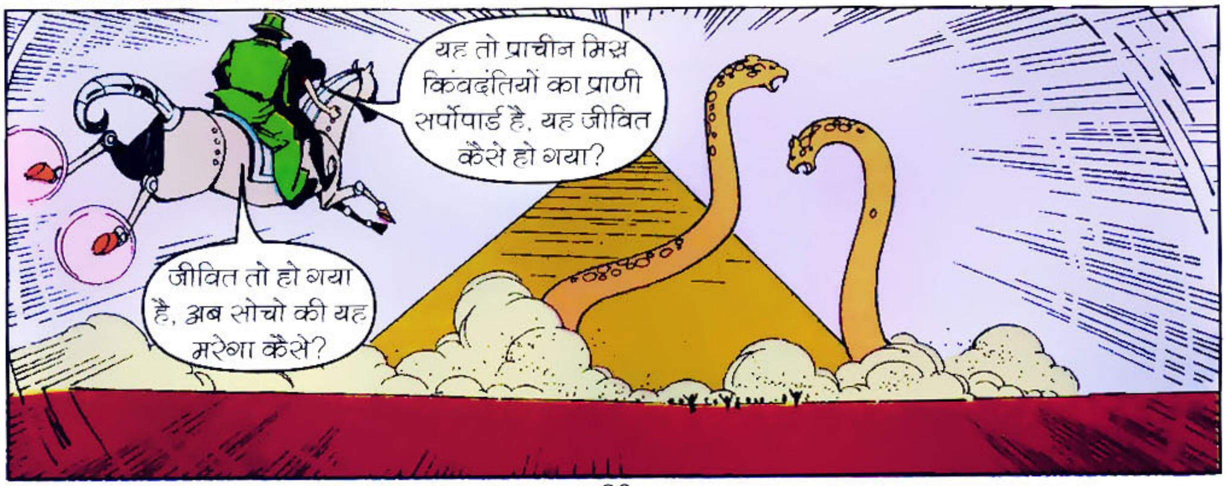
यह तो प्राचीन मिस्र किंवदंतियों का प्राणी सर्पोपार्ड है, यह जीवित कैसे हो गया?
जीवित तो हो गया है, अब सोचो की यह मरेगा कैसे?

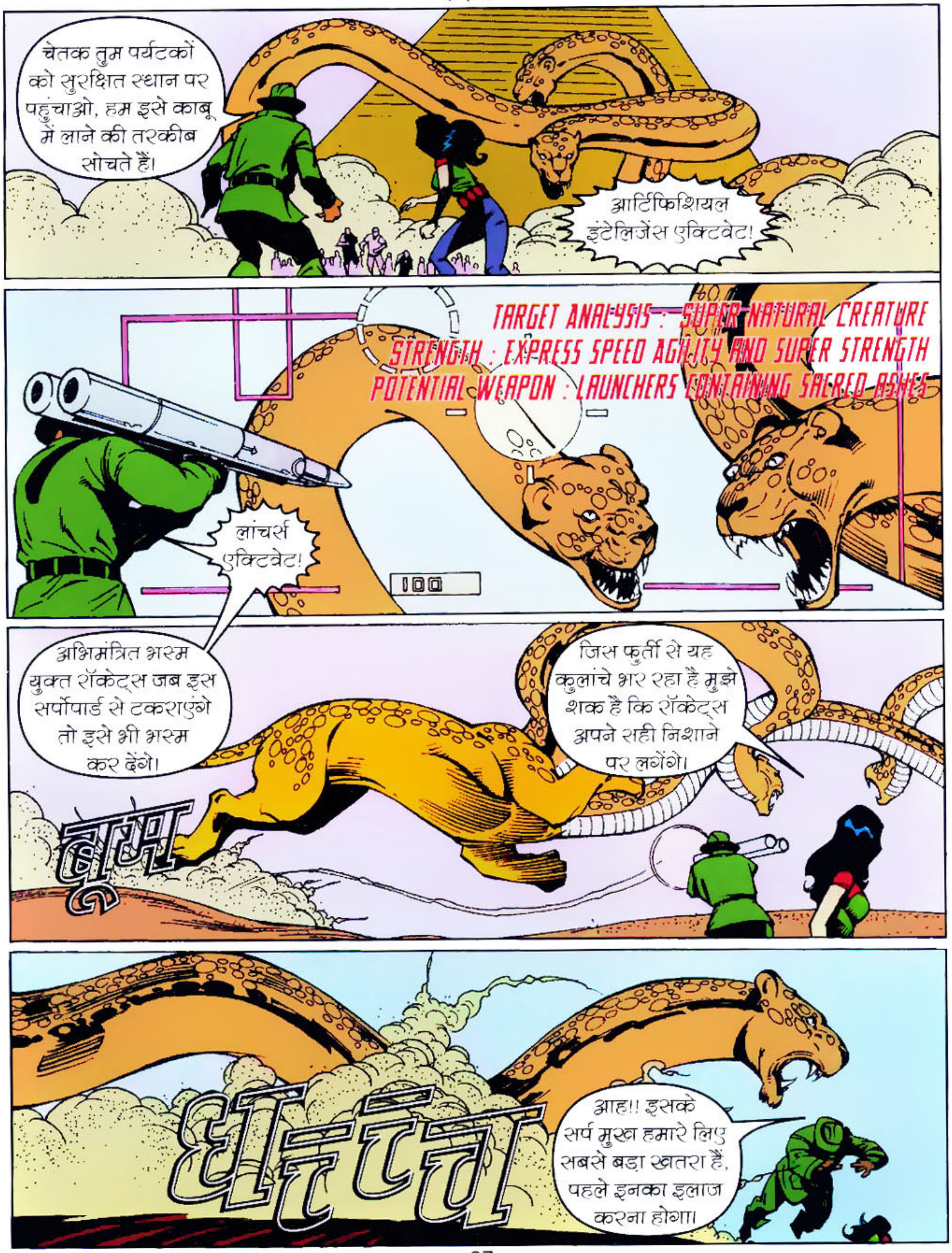
चेतक तुम पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाओ, हम इसे काबू में लाने की तरकीब सोचते हैं।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्टिवेट!
TARGET ANALYSIS : SUPER NATURAL CREATURE
STRENGTH : EXPRESS SPEED AGILITY AND SUPER STRENGTH
POTENTIAL WEAPON : LAUNCHERS CONTAINING SACRED ASHES
लांचर्स एक्टिवेट!
100
अभिमंत्रित भस्म युक्त रॉकेट्स जब इस सर्पोपार्ड से टकराएंगे तो इसे भी भस्म कर देंगे।
जिस फुर्ती से यह कुलांचे भर रहा है मुझे शक है कि रॉकेट्स अपने सही निशाने पर लगेंगे।
धूम
धड़ाम
आह!! इसके सर्प मुख हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा हैं, पहले इनका इलाज करना होगा।

बूम
हमारे सम्मिलित वार भी इसे मामूली नुकसान पहुंचा पा रहे हैं। हमारे ज़्यादातर वारों को यह छका रहा है।
मेरी हरी अंगूठी की शक्ति इसका वर्चुअल प्रतिरूप तैयार कर सकती है।
वर्चुअल प्रतिरूप हर मामले में असली के समान है।
अफ़सोस गगन तुम्हारा बनाया प्रतिरूप असली सर्पोपार्ड की शक्ति का सामना नहीं कर सका।
कियां कंच

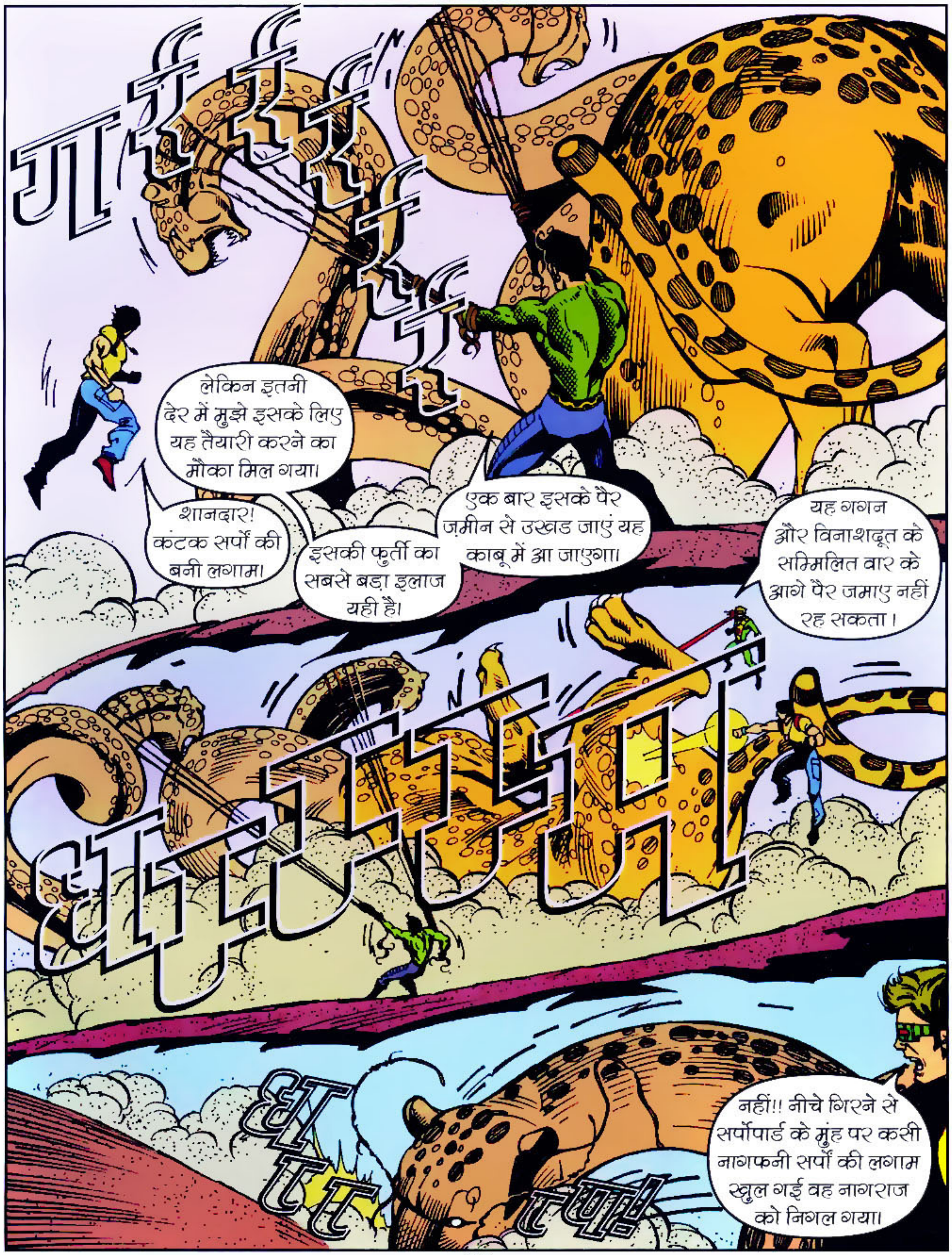
लेकिन इतनी देर में मुझे इसके लिए यह तैयारी करने का मौका मिल गया।
शानदार! कंटक सर्पों की बनी लगाम।
इसकी फुर्ती का सबसे बड़ा इलाज यही है।
एक बार इसके पैर ज़मीन से उखड़ जाएं यह काबू में आ जाएगा।
यह गगन और विनाशदूत के सम्मिलित वार के आगे पैर जमाए नहीं रह सकता।
नहीं!! नीचे गिरने से सर्पोपार्ड के मुंह पर कसी नागफनी सर्पों की लगाम खुल गई वह नागराज को निगल गया।

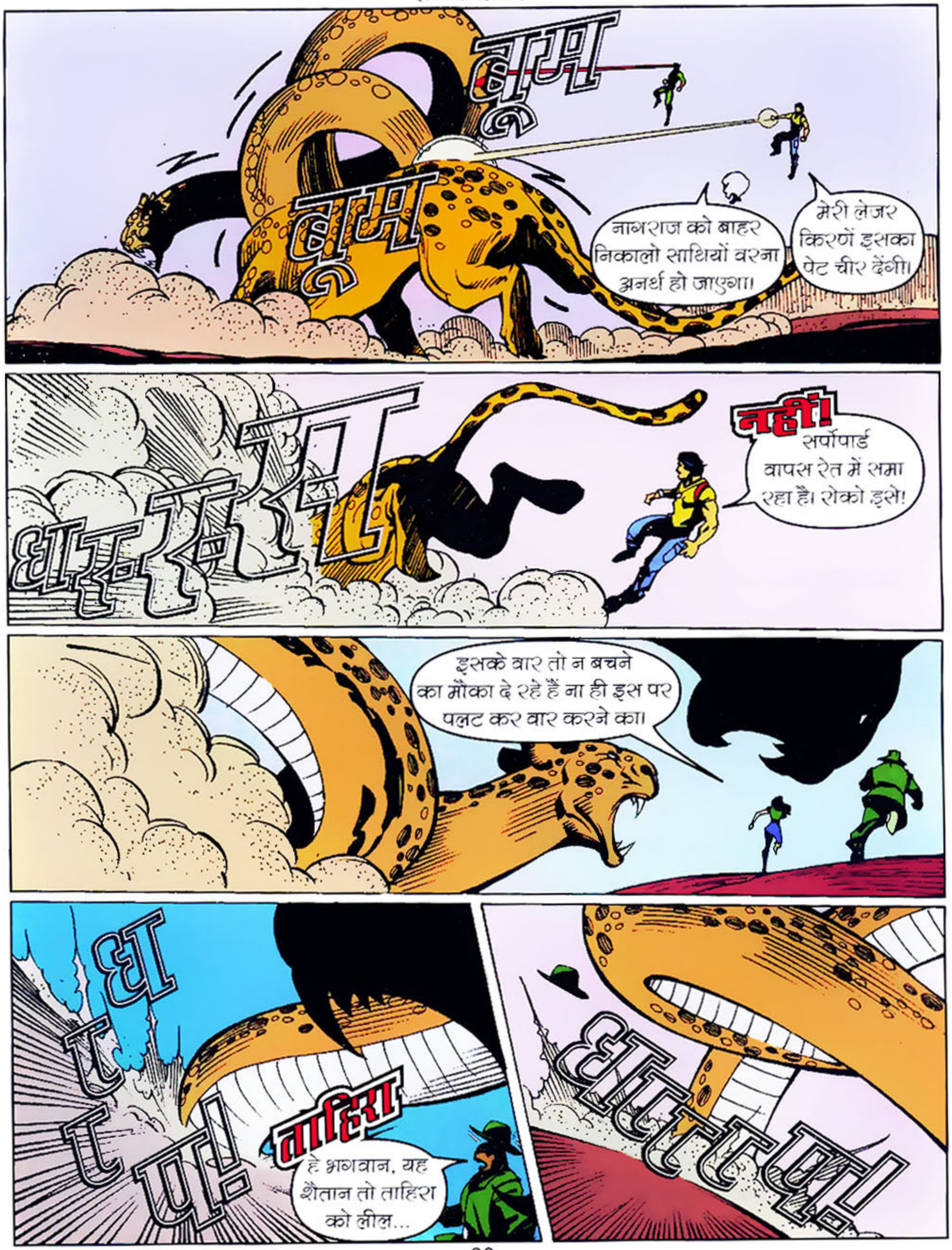
धूम
धूम
नागराज को बाहर निकालो साथियों वरना अनर्थ हो जाएगा।
मेरी लेजर किरणें इसका पेट चीर देंगी।
धड़ड़ड़
नहीं! सर्पोपार्ड वापस रेत में समा रहा है। रोको इसे!
इसके वार तो न बचने का मौका दे रहे हैं ना ही इस पर पलट कर वार करने का।
धप्प!
ताहिरा
हे भगवान, यह शैतान तो ताहिरा को लील...
धड़ड़प्प!

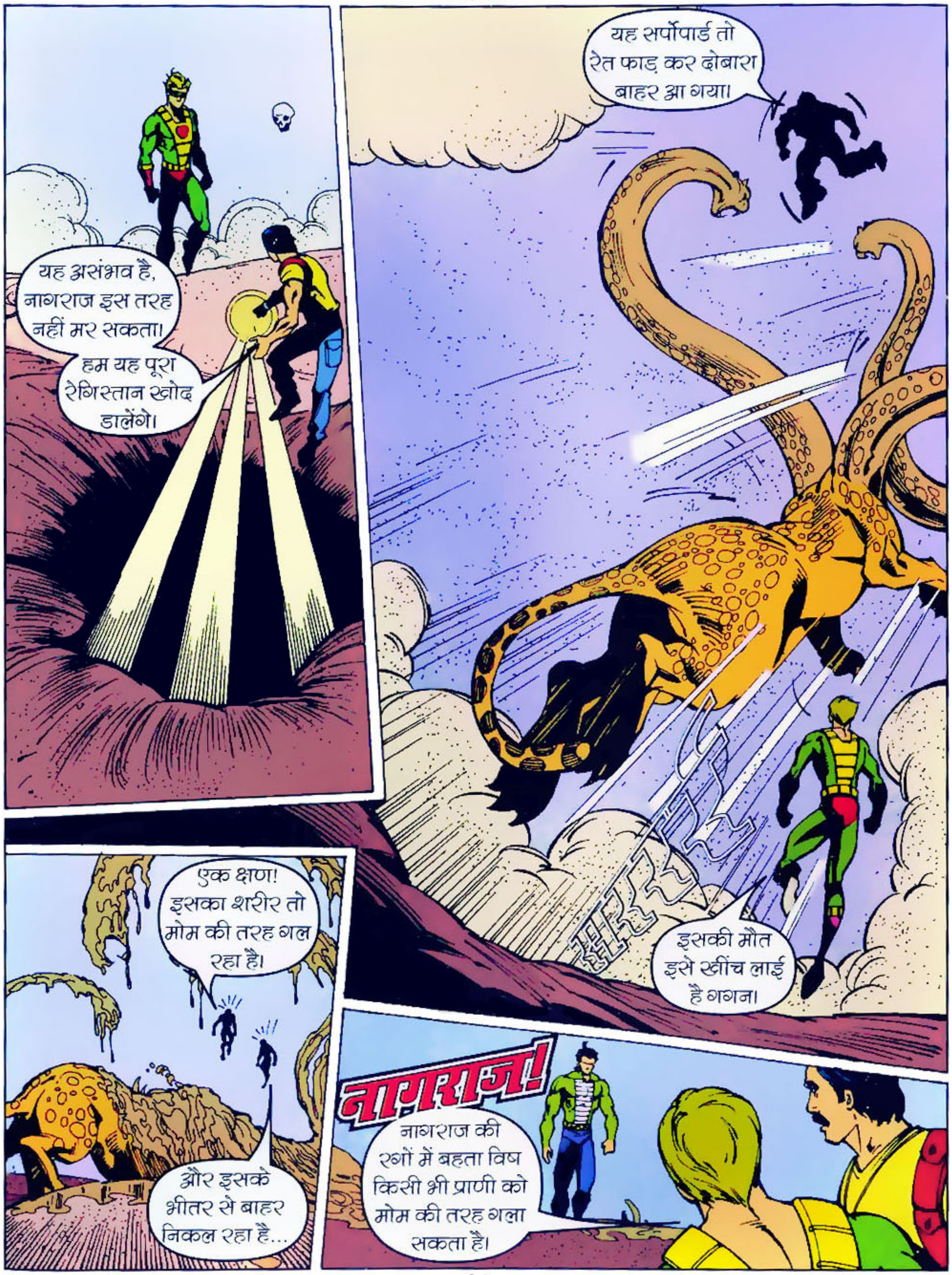
यह असंभव है, नागराज इस तरह नहीं मर सकता।
हम यह पूरा रेगिस्तान खोद डालेंगे।
यह सर्पोपार्ड तो रेत फाड़ कर दोबारा बाहर आ गया।
इसकी मौत इसे खींच लाई है गगन।
एक क्षण! इसका शरीर तो मोम की तरह गल रहा है।
और इसके भीतर से बाहर निकल रहा है...
नागराज!
नागराज की रगों में बहता विष किसी भी प्राणी को मोम की तरह गला सकता है।

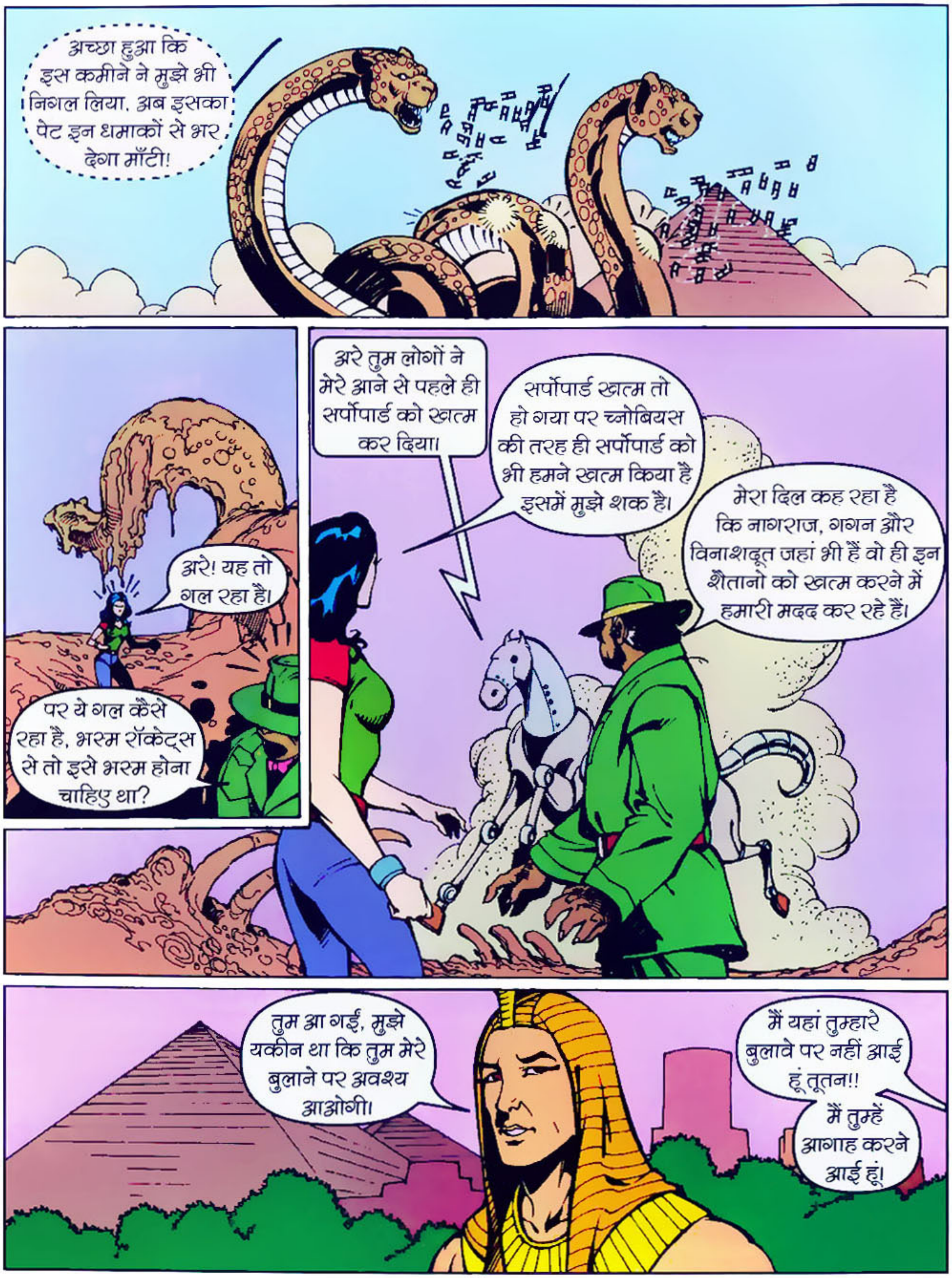

अच्छा हुआ कि इस कमीने ने मुझे भी निगल लिया. अब इसका पेट इन धमाकों से भर देगा मॉंटी!
अरे! यह तो गल रहा है।
पर ये गल कैसे रहा है, भस्म रॉकेट्स से तो इसे भस्म होना चाहिए था?
अरे तुम लोगों ने मेरे आने से पहले ही सर्पोपार्ड को खत्म कर दिया।
सर्पोपार्ड खत्म तो हो गया पर च्नोबियस की तरह ही सर्पोपार्ड को भी हमने खत्म किया है इसमें मुझे शक है।
मेरा दिल कह रहा है कि नागराज, गगन और विनाशदूत जहां भी हैं वो ही इन शैतानों को खत्म करने में हमारी मदद कर रहे हैं।
तुम आ गई, मुझे यकीन था कि तुम मेरे बुलाने पर अवश्य आओगी।
मैं यहां तुम्हारे बुलावे पर नहीं आई हूं तूतन!!
मैं तुम्हें आगाह करने आई हूं।

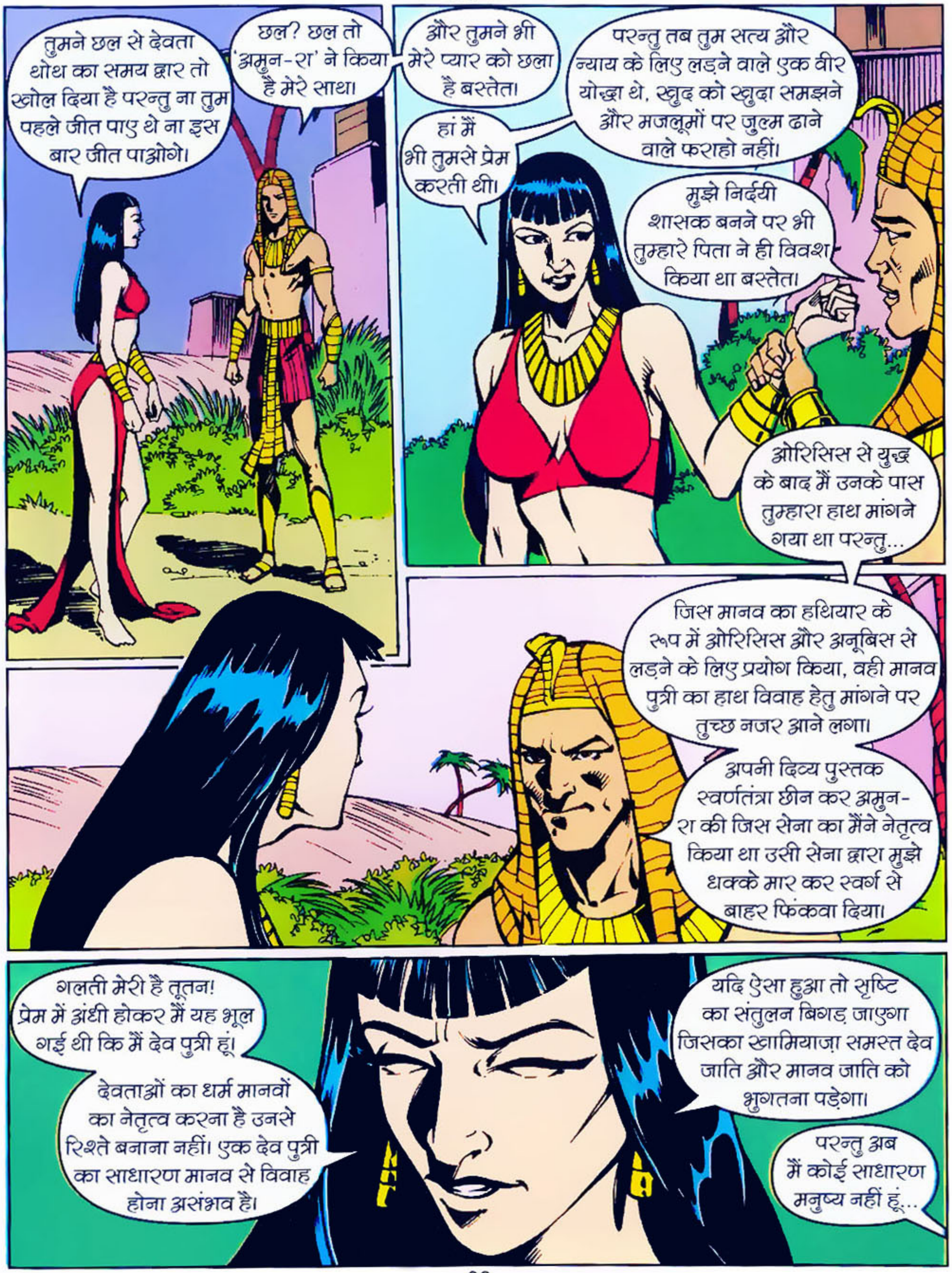
तुमने छल से देवता थोथ का समय द्वार तो खोल दिया है परन्तु ना तुम पहले जीत पाए थे ना इस बार जीत पाओगे।
छल? छल तो 'अमुन-रा' ने किया है मेरे साथ।
और तुमने भी मेरे प्यार को छला है बस्तेत।
हां मैं भी तुमसे प्रेम करती थी।
परन्तु तब तुम सत्य और न्याय के लिए लड़ने वाले एक वीर योद्धा थे, खुद को खुदा समझने और मजलूमों पर जुल्म ढाने वाले फराहो नहीं।
मुझे निर्दयी शासक बनने पर भी तुम्हारे पिता ने ही विवश किया था बस्तेत।
ओरिसिस से युद्ध के बाद मैं उनके पास तुम्हारा हाथ मांगने गया था परन्तु...
जिस मानव का हथियार के रूप में ओरिसिस और अनूबिस से लड़ने के लिए प्रयोग किया, वही मानव पुत्री का हाथ विवाह हेतु मांगने पर तुच्छ नजर आने लगा।
अपनी दिव्य पुस्तक स्वर्णतंत्रा छीन कर अमुन-रा की जिस सेना का मैंने नेतृत्व किया था उसी सेना द्वारा मुझे धक्के मार कर स्वर्ग से बाहर फिंकवा दिया।
गलती मेरी है तूतन! प्रेम में अंधी होकर मैं यह भूल गई थी कि मैं देव पुत्री हूं।
देवताओं का धर्म मानवों का नेतृत्व करना है उनसे रिश्ते बनाना नहीं। एक देव पुत्री का साधारण मानव से विवाह होना असंभव है।
यदि ऐसा हुआ तो सृष्टि का संतुलन बिगड़ जाएगा जिसका खामियाज़ा समस्त देव जाति और मानव जाति को भुगतना पड़ेगा।
परन्तु अब मैं कोई साधारण मनुष्य नहीं हूं...

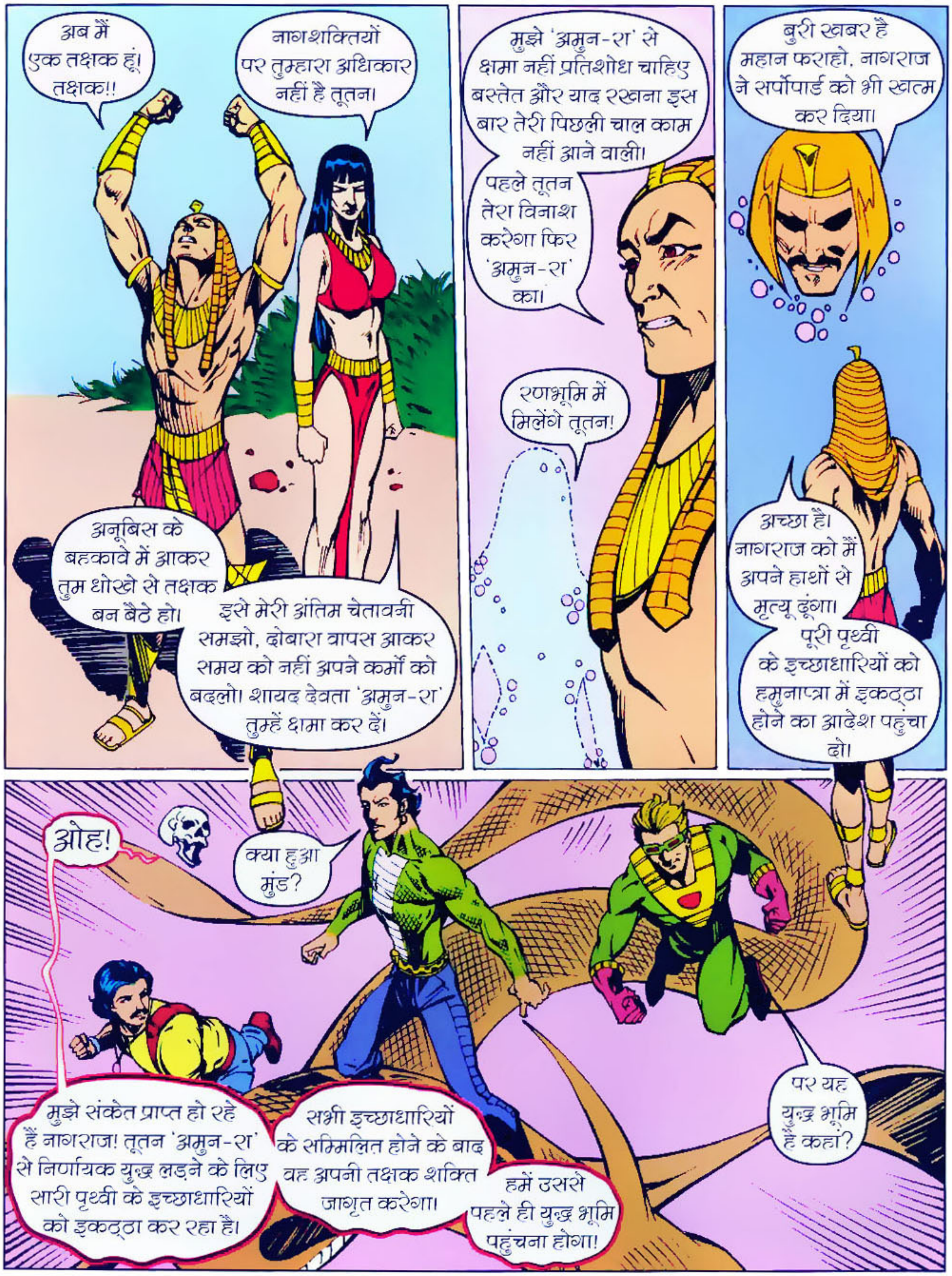
अब मैं एक तक्षक हूं। तक्षक!!
नागशक्तियों पर तुम्हारा अधिकार नहीं है तूतन।
अनूबिस के बहकावे में आकर तुम धोखे से तक्षक बन बैठे हो।
इसे मेरी अंतिम चेतावनी समझो, दोबारा वापस आकर समय को नहीं अपने कर्मों को बदलो। शायद देवता 'अमुन-रा' तुम्हें क्षमा कर दें।
मुझे 'अमुन-रा' से क्षमा नहीं प्रतिशोध चाहिए बस्तेत और याद रखना इस बार तेरी पिछली चाल काम नहीं आने वाली।
पहले तूतन तेरा विनाश करेगा फिर 'अमुन-रा' का।
रणभूमि में मिलेंगे तूतन!
बुरी खबर है महान फराहो, नागराज ने सर्पोपार्ड को भी खत्म कर दिया।
अच्छा है। नागराज को मैं अपने हाथों से मृत्यू दूंगा।
पूरी पृथ्वी के इच्छाधारियों को हमुनाप्त्रा में इकट्ठा होने का आदेश पहुंचा दो।
ओह!
क्या हुआ मुंड?
मुझे संकेत प्राप्त हो रहे हैं नागराज! तूतन 'अमुन-रा' से निर्णायक युद्ध लड़ने के लिए सारी पृथ्वी के इच्छाधारियों को इकट्ठा कर रहा है।
सभी इच्छाधारियों के सम्मिलित होने के बाद वह अपनी तक्षक शक्ति जागृत करेगा।
हमें उससे पहले ही युद्ध भूमि पहुंचना होगा!
पर यह युद्ध भूमि है कहां?

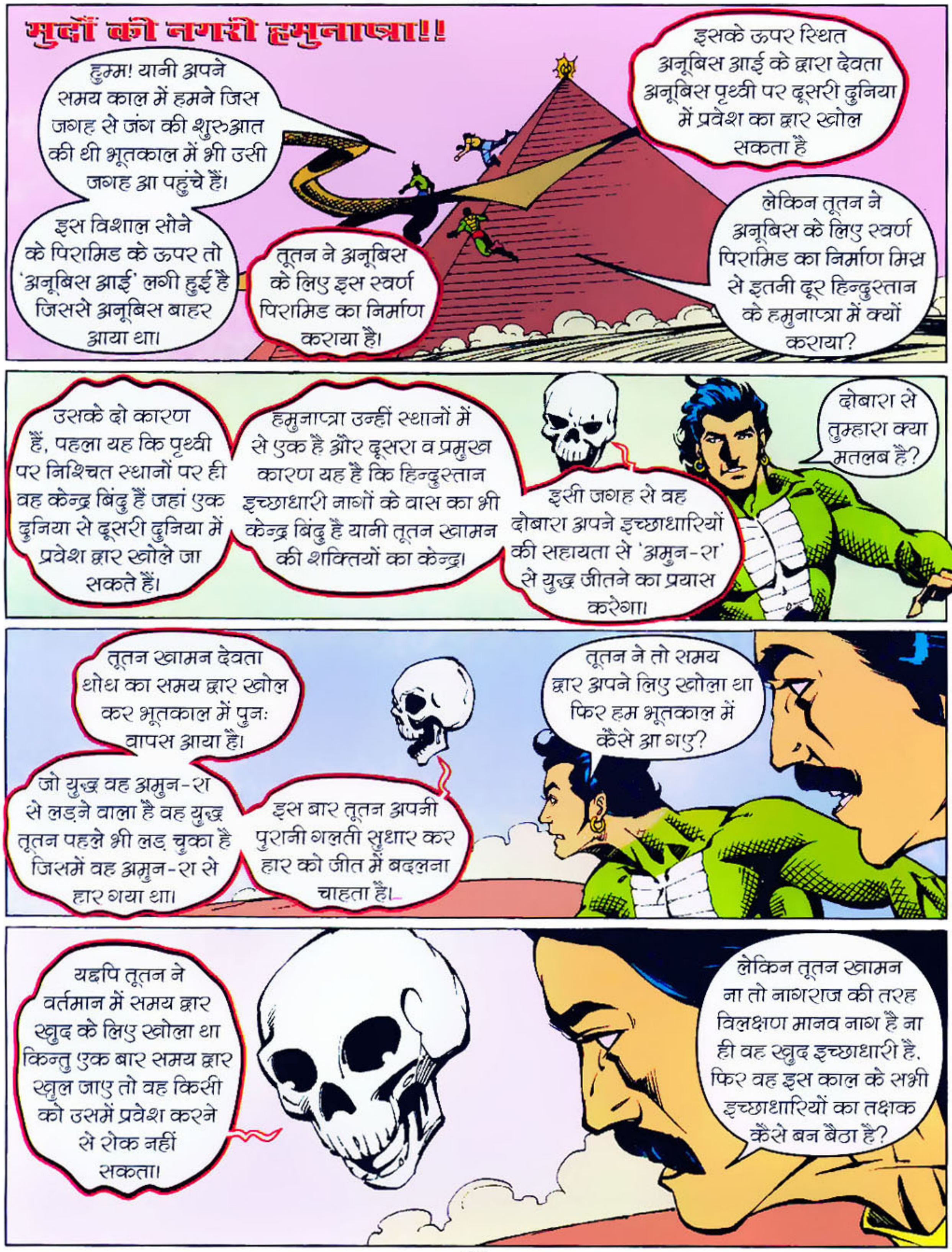
मुर्दों की नगरी हमुनाप्त्रा!!
हुम्म! यानी अपने समय काल में हमने जिस जगह से जंग की शुरुआत की थी भूतकाल में भी उसी जगह आ पहुंचे हैं।
इस विशाल सोने के पिरामिड के ऊपर तो 'अनूबिस आई' लगी हुई है जिससे अनूबिस बाहर आया था।
तूतन ने अनूबिस के लिए इस स्वर्ण पिरामिड का निर्माण कराया है।
इसके ऊपर स्थित अनूबिस आई के द्वारा देवता अनूबिस पृथ्वी पर दूसरी दुनिया में प्रवेश का द्वार खोल सकता है
लेकिन तूतन ने अनूबिस के लिए स्वर्ण पिरामिड का निर्माण मिस्र से इतनी दूर हिन्दुस्तान के हमुनाप्त्रा में क्यों कराया?
उसके दो कारण हैं, पहला यह कि पृथ्वी पर निश्चित स्थानों पर ही वह केन्द्र बिंदु हैं जहां एक दुनिया से दूसरी दुनिया में प्रवेश द्वार खोले जा सकते हैं।
हमुनाप्त्रा उन्हीं स्थानों में से एक है और दूसरा व प्रमुख कारण यह है कि हिन्दुस्तान इच्छाधारी नागों के वास का भी केन्द्र बिंदु है यानी तूतन खामन की शक्तियों का केन्द्र।
इसी जगह से वह दोबारा अपने इच्छाधारियों की सहायता से 'अमुन-रा' से युद्ध जीतने का प्रयास करेगा।
दोबारा से तुम्हारा क्या मतलब है?
तूतन खामन देवता थोथ का समय द्वार खोल कर भूतकाल में पुनः वापस आया है।
जो युद्ध वह अमुन-रा से लड़ने वाला है वह युद्ध तूतन पहले भी लड़ चुका है जिसमें वह अमुन-रा से हार गया था।
इस बार तूतन अपनी पुरानी गलती सुधार कर हार को जीत में बदलना चाहता है।
तूतन ने तो समय द्वार अपने लिए खोला था फिर हम भूतकाल में कैसे आ गए?
यद्यपि तूतन ने वर्तमान में समय द्वार खुद के लिए खोला था किन्तु एक बार समय द्वार खुल जाए तो वह किसी को उसमें प्रवेश करने से रोक नहीं सकता।
लेकिन तूतन खामन ना तो नागराज की तरह विलक्षण मानव नाग है ना ही वह खुद इच्छाधारी है, फिर वह इस काल के सभी इच्छाधारियों का तक्षक कैसे बन बैठा है?

तुम तीनों के सभी सवालों का अंत तूतन इसी रण-भूमि में करेगा।
बचो साथियों।
हमारे बारे में तुम्हारा क्या विचार है प्यारे?
हाहहाहा। अद्‌भुत नागशक्तियों का स्वामी है तू नागराज परन्तु यह मेरा समय काल है। यहां हर नाग शक्ति मेरे सामने सर झुकाती है।
धूम
यद्यपि तुम दोनों मानव विलक्षण शक्तियों के मालिक हो किन्तु तुम दोनों मिल कर भी उस मौत का सामना नहीं कर सकते जो मैंने तुम्हारे लिए चुनी है...
देवता अनूबिस की विशाल स्याह सेना!
जिसे कोई मानव शक्ति नहीं हरा सकती।
तुम्हारा क्या विचार है गगन?
वही जो तुम्हारा है।
यहां के जय-वीरू तो हम ही हैं। डायलॉग बाजी बंद और...

एक्शन शुरू
धड़ाम
तक्षिका, शीतिका, अग्निका! हमें गगन और विनाशदूत की मदद करनी होगी
तू कहां चला नागराज, यह तेरी लड़ाई नहीं है। तेरे लिए तो मैंने कुछ और ही सोचा है उधर देख।

तंत्र तक्षक तूतन खामन की विशाल इच्छाधारी सेना!!
सरपट, त्रिसर्पी सावधान रहना, इच्छाधारी नागों की यह विशाल सेना विलक्षण शक्तियों से युक्त है जिनके बारे में हम ज्यादा नहीं जानते
हम भले ही इनकी शक्तियों से परिचित नहीं हैं लेकिन ये भी नागराज और त्रिसर्पी की शक्तियां नहीं जानते।

वर्तमान

प्रोफेसर के. दोबारा संपर्क स्थापित कर रहे हैं।
अब तो उनके संपर्क स्थापित करते ही मेरा दिल घबराने लगता है।
ताहिरा, मॉंटी, चेतक! तुम तीनों को फौरन वापस हमुनाप्त्रा पहुंचना होगा, बहुत बड़ी मुसीबत आ रही है।
पिछली दो मुसीबतों के आफ्टर शॉक से अभी तक निकला नहीं हूं मैं।
शटअप मॉंटी! क्या हुआ है प्रोफेसर?
थार मरुस्थल में जिस पोर्टल को एक्टिवेट किया गया था उससे दूसरी दुनिया की शक्तियों का पृथ्वी पर प्रवेश आरम्भ हो गया है।
हम पहुंच रहे हैं प्रोफेसर।
हमुनाप्त्रा
यह क्या है?
रेत से निकलती हुई अनूबिस की विशाल स्याह सेना।

दुश्मन ज्यादा संख्या में हो तो एक फायदा है, निशाना लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ती, बस आंखें मूंद कर ब्लास्ट पर ब्लास्ट किए जाओ।
यह दुश्मन इतना बेवकूफ नहीं है मॉंटी, इन्हें हमारे वारों से बचना भी आता है...
और हम पर वार करना भी उफ!
लगता है यह जंग तो हम शुरू होने से पहले ही हार गए।
सर्रर्रर्र
यहां हमारा कौन सा मददगार आ गया?

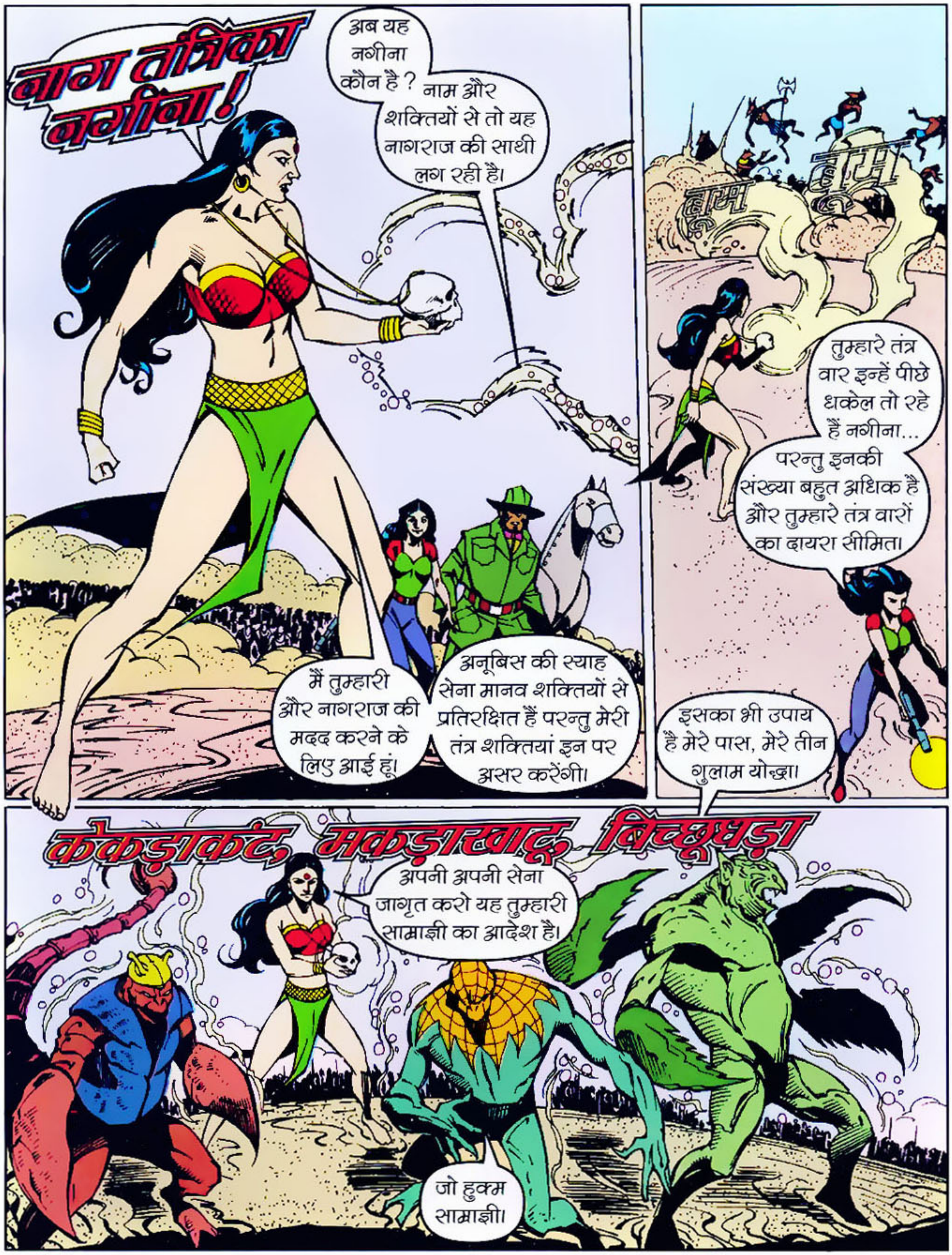
नाग तांत्रिका नगीना!
अब यह नगीना कौन है?
नाम और शक्तियों से तो यह नागराज की साथी लग रही है।
मैं तुम्हारी और नागराज की मदद करने के लिए आई हूं।
अनूबिस की स्याह सेना मानव शक्तियों से प्रतिरक्षित हैं परन्तु मेरी तंत्र शक्तियां इन पर असर करेंगी।
तुम्हारे तंत्र वार इन्हें पीछे धकेल तो रहे हैं नगीना...
परन्तु इनकी संख्या बहुत अधिक है और तुम्हारे तंत्र वारों का दायरा सीमित।
इसका भी उपाय है मेरे पास, मेरे तीन गुलाम योद्धा।
केकड़ाकंट, मकड़ाखादू, बिच्छूधड़ा
अपनी अपनी सेना जागृत करो यह तुम्हारी साम्राज्ञी का आदेश है।
जो हुकम साम्राज्ञी।

बूम
बूम
धड़ाक
बूम
बूम
तू वर्तमान काल का तक्षक सही नागराज! परन्तु इस भूतकाल में नाग शक्तियां तेरा आदेश नहीं मानेंगी।
तांत्रिक नागफन विषंधर के लिए यहां तुझे मारना बच्चों के खेल से अधिक नहीं है।
मैं नहीं जानता कि तूतन खामन और तू मुझे तक्षक क्यों समझ रहे हैं!
वर्तमान काल में भी मेरे शरीर में वास करने वाले सर्प सैनिकों के सिवाय कोई भी इच्छाधारी मेरा आदेश मानने को बाध्य नहीं है।
रहा सवाल मुझे मारने का तो यह खेल मैं हर दिन खेलता हूं!
धाड़
इच्छाधारी साथियों, बाहर आओ और युद्ध में त्रिसर्पी की सहायता करो।

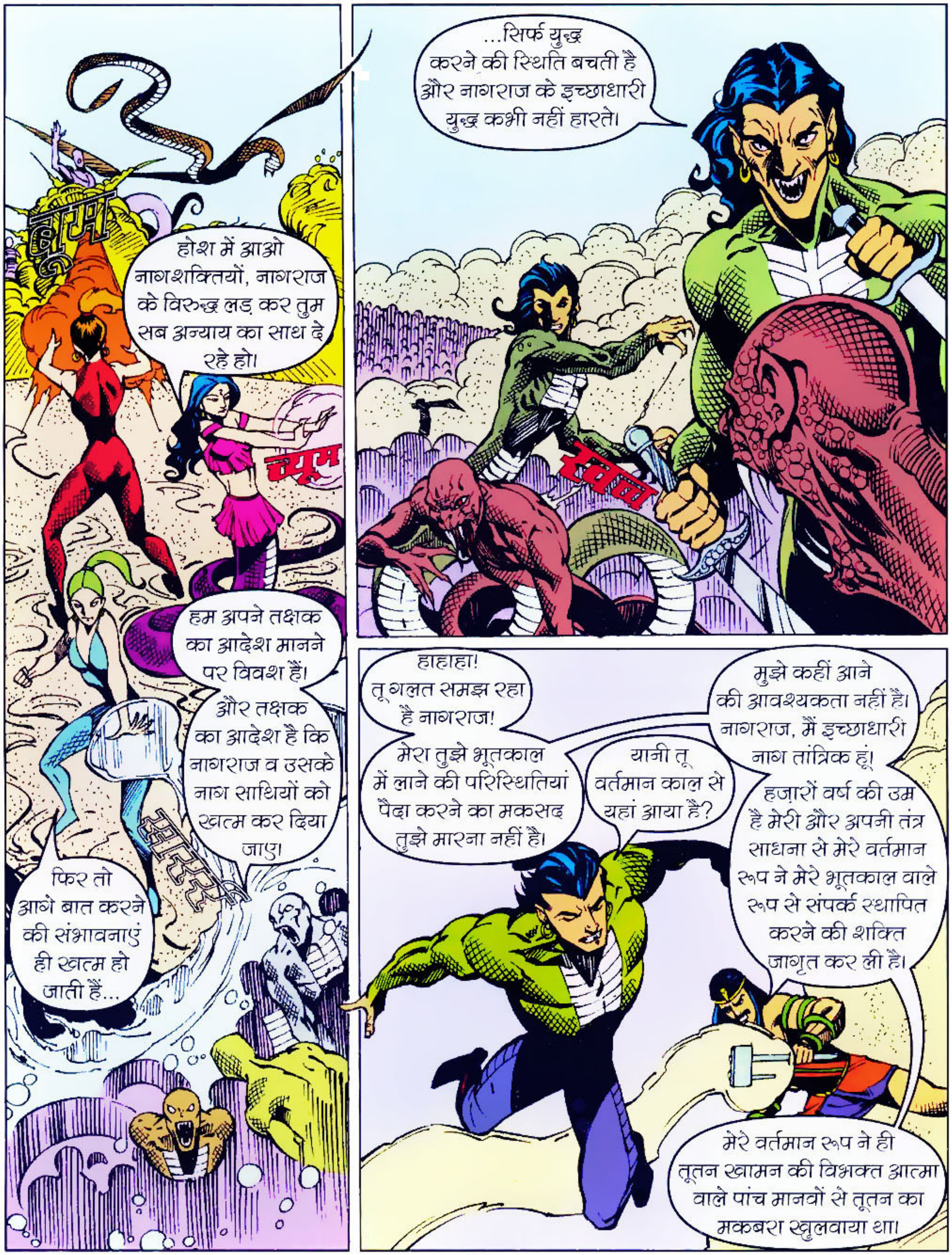
होश में आओ नागशक्तियों, नागराज के विरुद्ध लड़ कर तुम सब अन्याय का साथ दे रहे हो।
हम अपने तक्षक का आदेश मानने पर विवश हैं।
और तक्षक का आदेश है कि नागराज व उसके नाग साथियों को खत्म कर दिया जाए।
फिर तो आगे बात करने की संभावनाएं ही खत्म हो जाती हैं...
...सिर्फ युद्ध करने की स्थिति बचती है और नागराज के इच्छाधारी युद्ध कभी नहीं हारते।
हाहाहा! तू गलत समझ रहा है नागराज!
मेरा तुझे भूतकाल में लाने की परिस्थितियां पैदा करने का मकसद तुझे मारना नहीं है।
यानी तू वर्तमान काल से यहां आया है?
मुझे कहीं आने की आवश्यकता नहीं है। नागराज, मैं इच्छाधारी नाग तांत्रिक हूं।
हजारों वर्ष की उम्र है मेरी और अपनी तंत्र साधना से मेरे वर्तमान रूप ने मेरे भूतकाल वाले रूप से संपर्क स्थापित करने की शक्ति जागृत कर ली है।
मेरे वर्तमान रूप ने ही तूतन खामन की विभक्त आत्मा वाले पांच मानवों से तूतन का मकबरा खुलवाया था।

इस समय मेरा वर्तमान रूप एक अज्ञात स्थान पर तंत्र साधना रत प्रतीक्षा कर रहा है कि मैं भूतकाल में वह कार्य पूरा करूं जिसके लिए मैंने यह चक्रव्यूह रचा।
धड़ाक
मैं नहीं जानता शैतान कि इस सारे षड्यंत्र के पीछे तेरी मंशा क्या है परन्तु भूत काल हो या वर्तमान काल तू सफल कदापि नहीं होगा।
नागराज के इच्छाधारी नागों के सामने हमारा टिक पाना मुश्किल है।
आश्चर्य! तुम दोनों ने तो अनूबिस की स्याह सेना की खाट खड़ी कर दी।
परन्तु स्याह सेना तो मानव शक्ति से प्रतिरक्षित है।
लेकिन हमारी शक्तियां मानवीय नहीं हैं।
क्या मतलब?
मतलब यह कि मैं एक परग्रही हूं, मेरी शक्तियां पृथ्वी की नहीं हैं।
और गगन की अंगूठियों की शक्ति भी उसे परग्रहियों द्वारा प्रदान की गई हैं।
यानी बस्तेत ने जानबूझ कर तुम दोनों का चुनाव किया था, उसे आभास था कि अनूबिस की सेना से तुम्हारी शक्तियां निपट सकती हैं।
अनूबिस की सेना का सफाया तो हो गया।
अब जरा तूतन और उसकी सेना की खबर ली जाए।

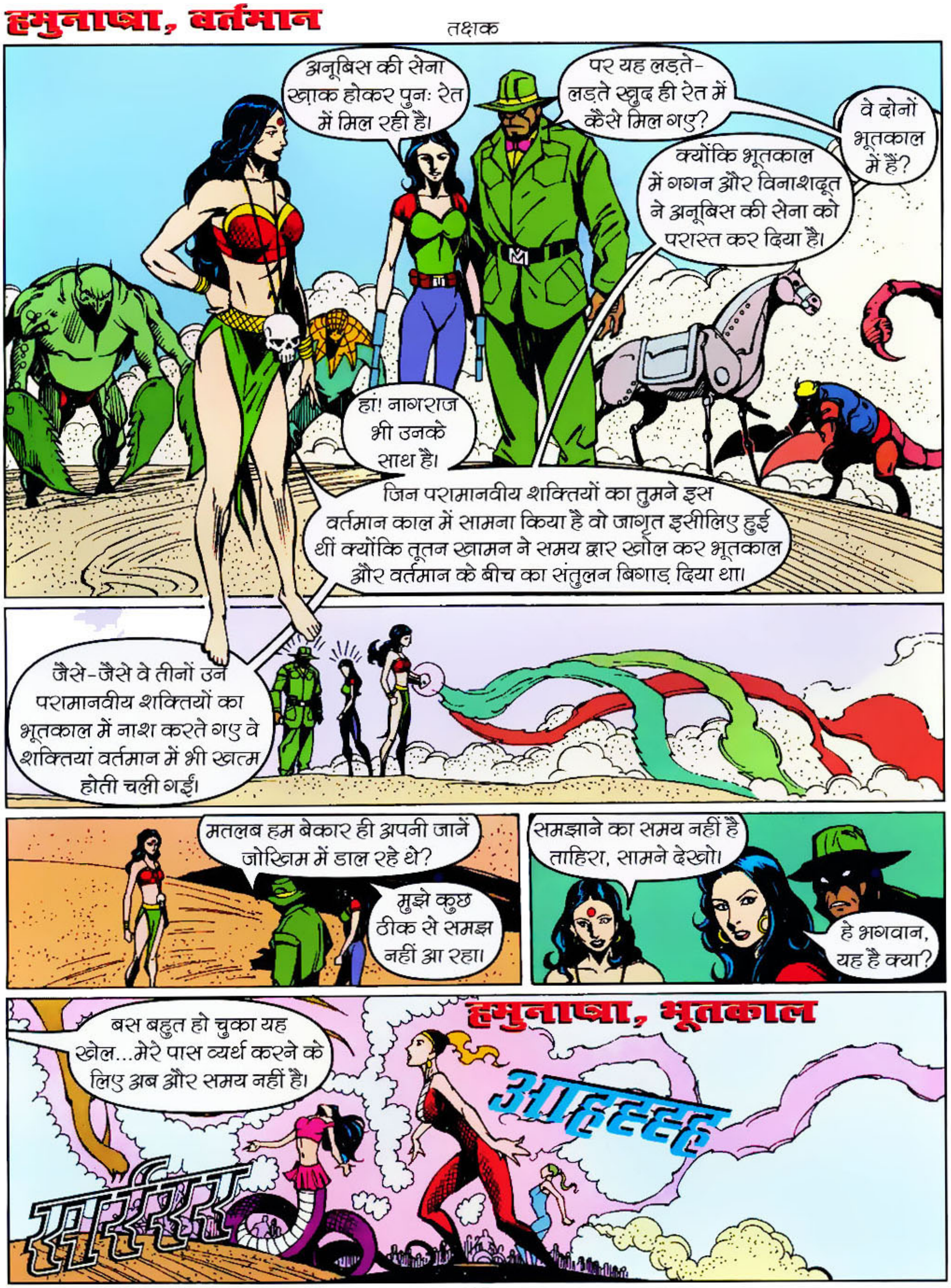
हमुनाप्त्रा, वर्तमान
अनूबिस की सेना खाक होकर पुनः रेत में मिल रही है।
पर यह लड़ते-लड़ते खुद ही रेत में कैसे मिल गए?
वे दोनों भूतकाल में हैं?
क्योंकि भूतकाल में गगन और विनाशदूत ने अनूबिस की सेना को परास्त कर दिया है।
हां! नागराज भी उनके साथ है।
जिन परामानवीय शक्तियों का तुमने इस वर्तमान काल में सामना किया है वो जागृत इसीलिए हुई थीं क्योंकि तूतन खामन ने समय द्वार खोल कर भूतकाल और वर्तमान के बीच का संतुलन बिगाड़ दिया था।
जैसे-जैसे वे तीनों उन परामानवीय शक्तियों का भूतकाल में नाश करते गए वे शक्तियां वर्तमान में भी खत्म होती चली गईं।
मतलब हम बेकार ही अपनी जानें जोखिम में डाल रहे थे?
मुझे कुछ ठीक से समझ नहीं आ रहा।
समझाने का समय नहीं है ताहिरा, सामने देखो।
हे भगवान, यह है क्या?
हमुनाप्त्रा, भूतकाल
बस बहुत हो चुका यह खेल...मेरे पास व्यर्थ करने के लिए अब और समय नहीं है।
आहहहह
सर्रररर

सर्रर्रर्र
अब समय आ गया है तुझे बताने का नागराज कि असली तक्षक कौन है।
तेरी नाग शक्तियां अब मेरी हुई नागराज। अब तेरी जान भी मेरी होगी।
असंभव! मेरे शरीर में वास करने वाली नाग शक्तियां सिर्फ मेरा आदेश मानती हैं।
मेरे पास जो शक्ति है उसके सामने हर इच्छाधारी सिर झुकाने के लिए मजबूर है...
नागों के इष्टदेव कालजयी का अनमोल नागरत्न!
असंभव! यह नहीं हो सकता।
मैं जब 'अमुन-रा' से प्रतिशोध लेने की आग में धधक रहा था तब देवता अनूबिस ने मुझे इस अद्भुत नागरत्न तक पहुंचने का मार्ग बताया।
मिस्र से हिन्दुस्तान तक आने का मेरा मकसद मात्र विश्व विजय नहीं था, मुझे यह नागरत्न प्राप्त करना था। इस नागरत्न ने मुझे समस्त विश्व के इच्छाधारियों का तक्षक बना दिया।

"इच्छाधारियों की असीमित शक्ति की मदद से मैं सूर्य देवता 'रा' का अस्तित्व ही मिटाने वाला था, जिसने अपनी पुत्री बस्तेत से मेरा विवाह प्रस्ताव अस्वीकार कर मेरा अपमान किया था।"
"परन्तु बस्तेत मेरे और रा के बीच आ गई।"
"प्रेम में अंधा हुआ मैं बस्तेत पर वार ना कर सका, लेकिन देवताओं ने मेरी इस चूक का पूरा फायदा उठाया।"
"मेरी एक पल की असावधानी ने मुझे सदियों तक एक जिंदा लाश बन कर रहने पर मजबूर कर दिया।"
सदियों तक मैंने प्रतीक्षा की इस पल की, जब मैं समय द्वार से वापस आकर इस गलती को सुधार सकूं।
आज वह गलती सुधरेगी और तू बेबस होकर अपनी आखों के सामने सूर्य देवता 'रा' का अस्तित्व मिटते देखेगा... ओफ्फ!
तुम तो क्लाइमेक्स निपटाने में लग गए...
एक्शन अभी बाकी है मेरे दोस्त।

तुम दोनों को तो मैं भूल ही गया था। स्याह सेना को परास्त करके यह ना समझो कि तुम तूतन खामन से जीत गए!
इच्छाधारी तांत्रिक सर्पों की घातक तंत्र शक्तियों से बच पाना तुम्हारे लिए असंभव होगा।
मेरी पुकार सुनो देवता अनूबिस, दूसरी दुनिया का द्वार खोलो!!
तूतन अनूबिस का आह्वाहन कर अनूबिस आई द्वारा दूसरी दुनिया का प्रवेश द्वार खोलने की कोशिश कर रहा है। ताकि देवताओं पर आक्रमण कर सके। और मैं इसे रोक पाने में असमर्थ हूं!
समय आ गया है पिताश्री!
यह मेरी और तूतन की लड़ाई है बस्तेत, तुम बीच में नहीं आओगी।
आप जानते हैं कि यह संभव नहीं है पिताश्री!

हमुनाप्त्रा, वर्तमान

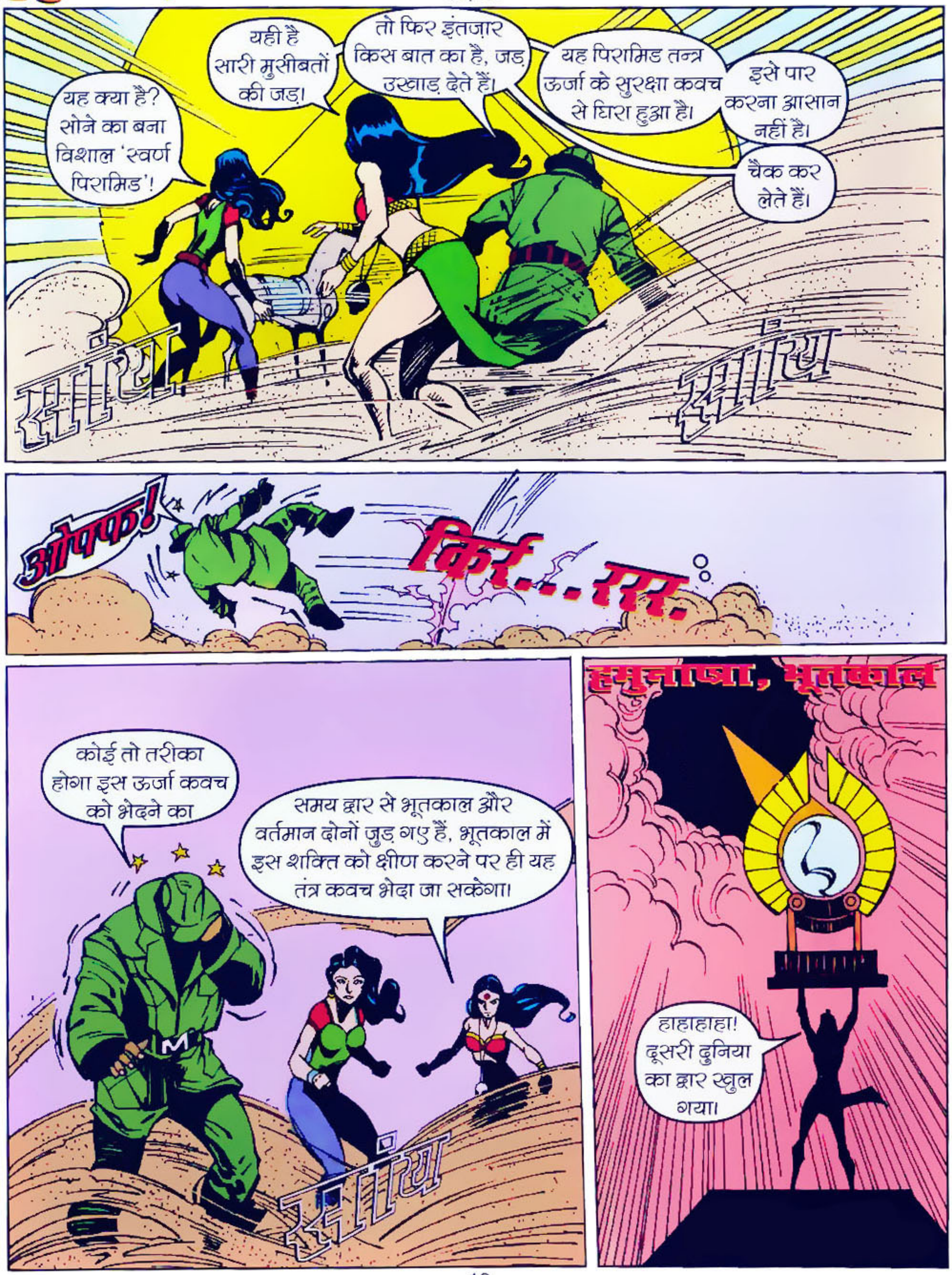

आक्रमण करो 'अमुन-रा' के मुहाफिजों
आक्रमण करो मेरे इच्छाधारी गुलामों।
देवता 'रा' और तूतन का आमना-सामना होने वाला है! तूतन के तन्त्र वार से मैं काफी हद तक उबर चुका हूं, हालांकि इच्छाधारी नाग सैनिकों के शरीर से निकल जाने से मेरी शक्तियां बेहद क्षीण हो गईं हैं फिर भी मेरे शरीर में सामान्य सर्प सैनिक अभी भी मौजूद हैं।

और उनके ही बल पर मुझे इसे रोकना होगा।
तू हार क्यों नहीं मानता नागराज?
मेरे शब्दकोष में यह शब्द नहीं है तूतन।
मृत्यु से पूर्व तेरे शब्दकोष में यह शब्द सम्मिलित हो जाएगा...
...तेरी अपनी ही शक्ति द्वारा।
तड़ाक

त्रिसर्पी!
होश में आओ त्रिसर्पी!
यह क्या कर रही हो तुम तीनों?
धप्प
तक्षक का आदेश है कि हम तुम्हारी जान ले लें...
आह!
...और हम तक्षक का आदेश नहीं टाल सकते...
...क्योंकि हम नागरत्न धारक का आदेश मानने पर विवश हैं।

तुम तीनों यही चाहती हो तो...
ऐसा ही होगा।
आह्ह
बाड़ूम
च्यूम
सर्रर्र

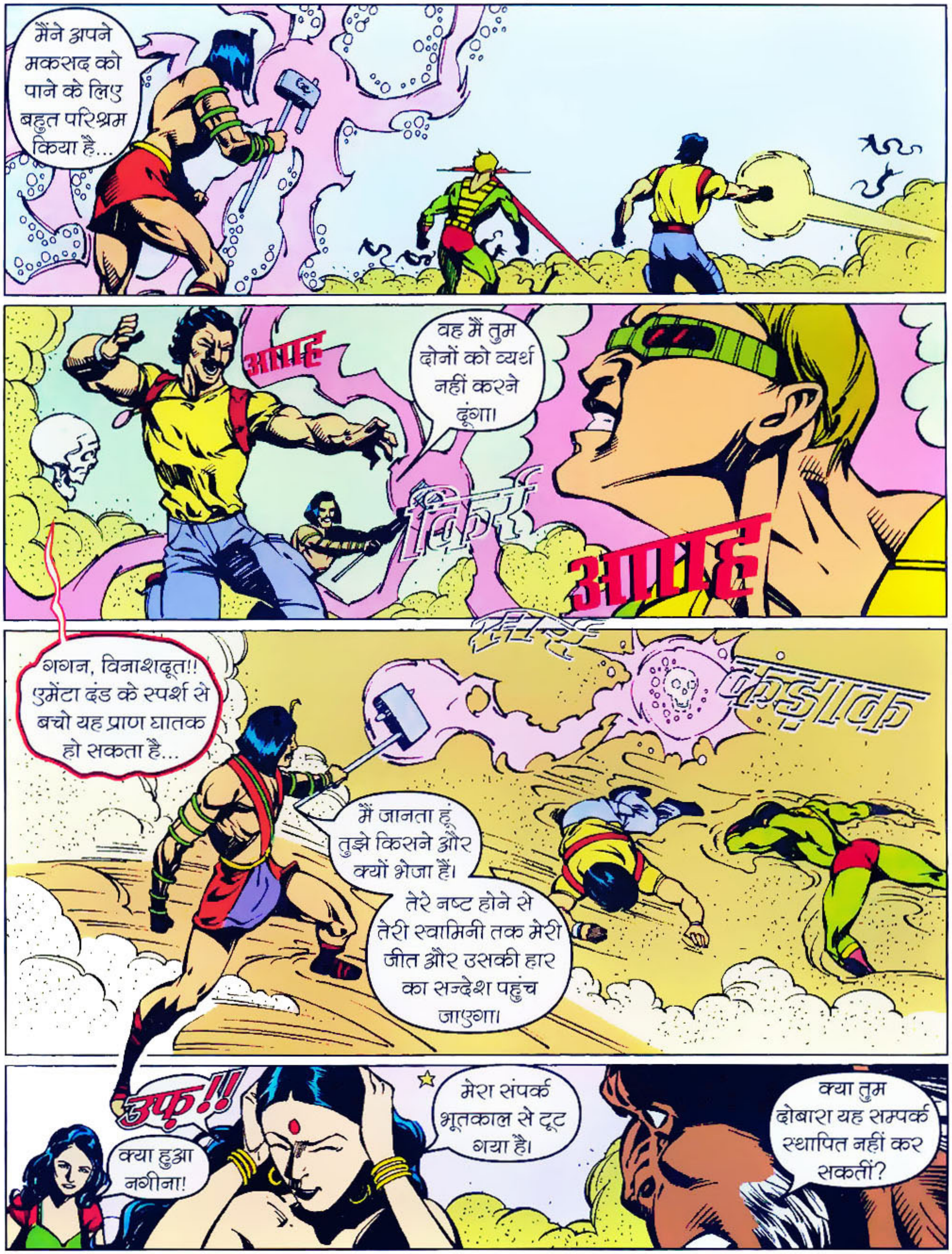

मैंने अपने मकसद को पाने के लिए बहुत परिश्रम किया है...
आाह
वह मैं तुम दोनों को व्यर्थ नहीं करने दूंगा।
आाह
गगन, विनाशदूत!! एमेंटा दंड के स्पर्श से बचो यह प्राण घातक हो सकता है...
कड़ाक
मैं जानता हूं तुझे किसने और क्यों भेजा हैं।
तेरे नष्ट होने से तेरी स्वामिनी तक मेरी जीत और उसकी हार का सन्देश पहुंच जाएगा।
उफ!!
क्या हुआ नगीना!
मेरा संपर्क भूतकाल से टूट गया है।
क्या तुम दोबारा यह सम्पर्क स्थापित नहीं कर सकतीं?

उसके लिए मुझे अत्यधिक तन्त्र ऊर्जा खर्च करनी पड़ेगी और यह खतरा मैं अभी नहीं उठा सकती।
मतलब नागराज, गगन और विनाशदूत युद्ध में कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसी परिस्थिति में मुझे आने वाली स्तिथि से निपटने के लिए अपनी समस्त तन्त्र ऊर्जा एकत्र करनी होगी।
शाबाश इच्छाधारियों, अमुन-रा की सेना को निस्तेनाबूद कर दो, और मैं...
'रा' को निस्तेनाबूत करता हूं, चल एपेप!
स्वर्णतंत्रा की तंत्र शक्ति तुझे सफल नहीं होने देगी तूतन।
हिस्स्स
हाहाहा! पिछली बार भी तू तेरे पिता और मेरे बीच आ गई थी!
और तेरे मोह में मैंने स्वर्णतंत्रा का वार झेल लिया...

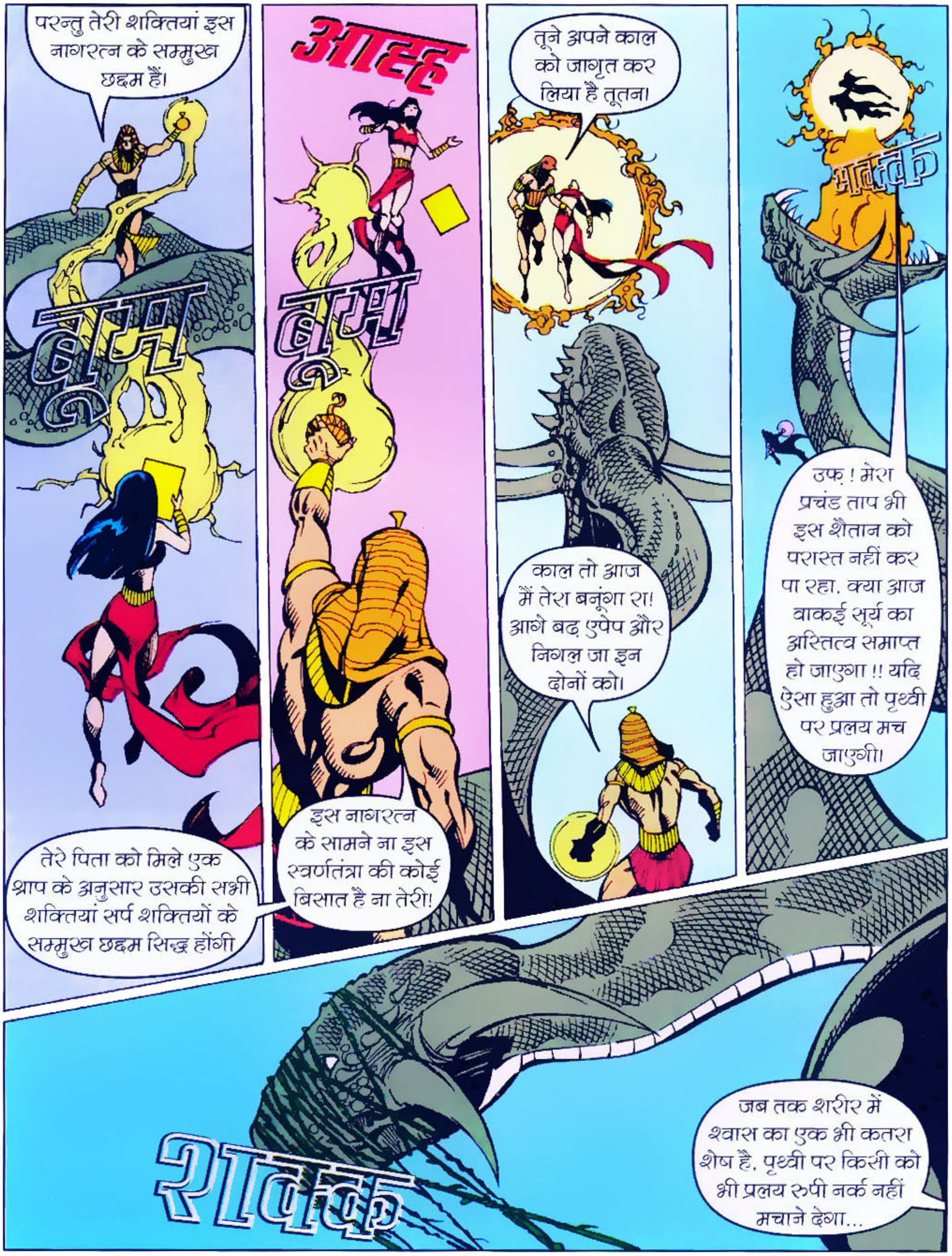
परन्तु तेरी शक्तियां इस नागरत्न के सम्मुख छद्म हैं।
बूम
तेरे पिता को मिले एक श्राप के अनुसार उसकी सभी शक्तियां सर्प शक्तियों के सम्मुख छद्म सिद्ध होंगी
आह्ह
बूम
इस नागरत्न के सामने ना इस स्वर्णतंत्रा की कोई बिसात है ना तेरी!
तूने अपने काल को जागृत कर लिया है तूतन।
काल तो आज मैं तेरा बनूंगा रा! आगे बढ़ एपेप और निगल जा इन दोनों को।
उफ ! मेरा प्रचंड ताप भी इस शैतान को परास्त नहीं कर पा रहा. क्या आज वाकई सूर्य का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा !! यदि ऐसा हुआ तो पृथ्वी पर प्रलय मच जाएगी।
शाटक
जब तक शरीर में श्वास का एक भी कतरा शेष है, पृथ्वी पर किसी को भी प्रलय रुपी नर्क नहीं मचाने देगा...

नरक नाशक नागराज
तो त्रिसर्पी भी तुझे खत्म नहीं कर सकीं! अब रा से पहले तू एपेप का ग्रास बनेगा!
हिस्स्स्स
धड़ाम
इच्छाधारी नागों की शक्ति अभी मेरे शरीर में ना सही पर इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है।
निगल जा इसे एपेप।
स्क्रीच

...और इच्छाशक्ति से बड़ी...
स्क्रीच
...शक्ति इस दुनिया में...
...दूसरी नहीं है।

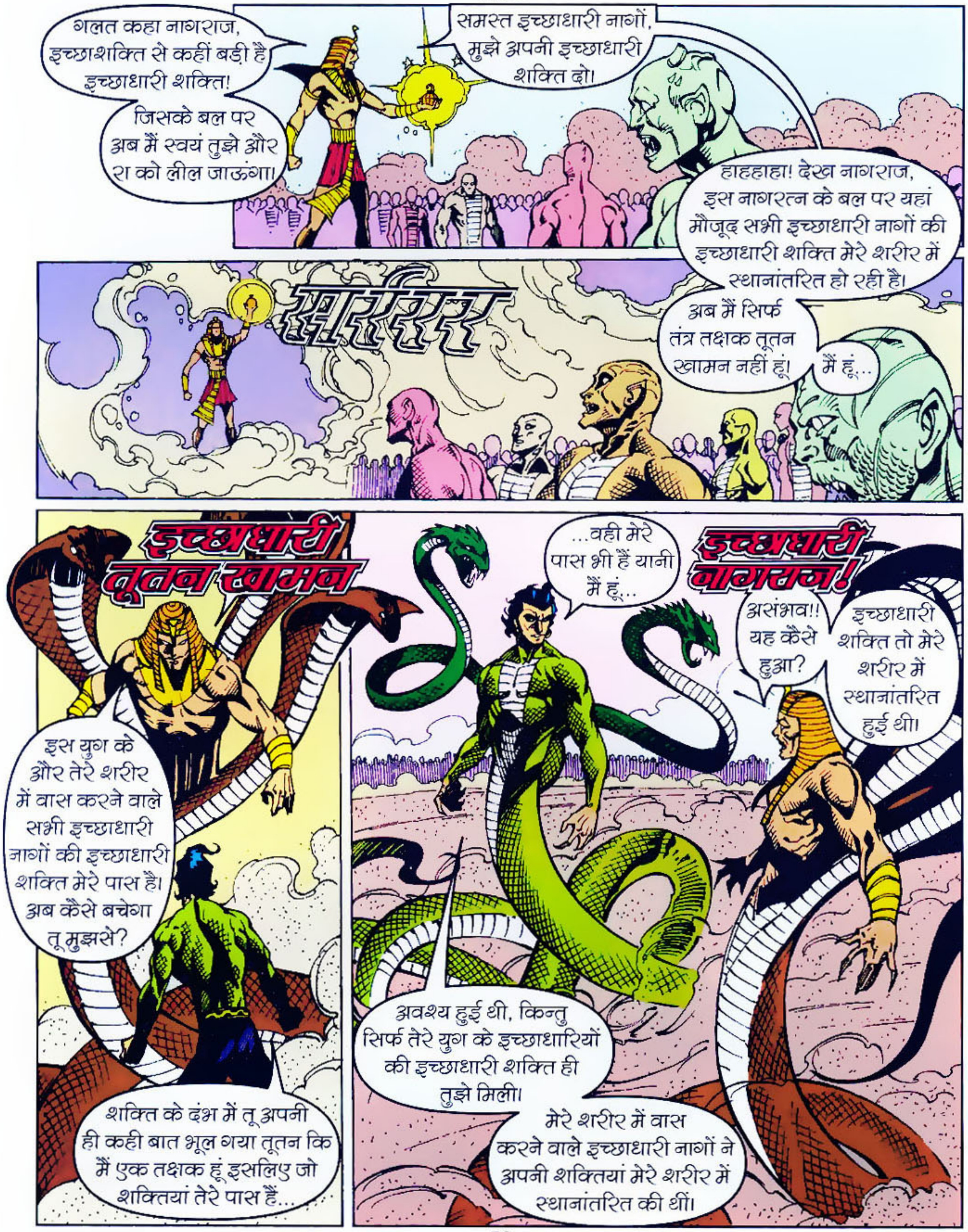
गलत कहा नागराज, इच्छाशक्ति से कहीं बड़ी है इच्छाधारी शक्ति!
जिसके बल पर अब मैं स्वयं तुझे और रा को लील जाऊंगा।
समस्त इच्छाधारी नागों, मुझे अपनी इच्छाधारी शक्ति दो।
हाहहाहा! देख नागराज, इस नागरत्न के बल पर यहां मौजूद सभी इच्छाधारी नागों की इच्छाधारी शक्ति मेरे शरीर में स्थानांतरित हो रही है।
सर्ररर
अब मैं सिर्फ तंत्र तक्षक तूतन खामन नहीं हूं।
मैं हूं...
इच्छाधारी तूतन खामन
इस युग के और तेरे शरीर में वास करने वाले सभी इच्छाधारी नागों की इच्छाधारी शक्ति मेरे पास है। अब कैसे बचेगा तू मुझसे?
शक्ति के दंभ में तू अपनी ही कही बात भूल गया तूतन कि मैं एक तक्षक हूं इसलिए जो शक्तियां तेरे पास हैं...
...वही मेरे पास भी हैं यानी मैं हूं...
इच्छाधारी नागराज!
असंभव!! यह कैसे हुआ?
इच्छाधारी शक्ति तो मेरे शरीर में स्थानांतरित हुई थी।
अवश्य हुई थी, किन्तु सिर्फ तेरे युग के इच्छाधारियों की इच्छाधारी शक्ति ही तुझे मिली।
मेरे शरीर में वास करने वाले इच्छाधारी नागों ने अपनी शक्तियां मेरे शरीर में स्थानांतरित की थीं।

धा
ड़
परन्तु इच्छाधारी, नागरत्न का आदेश नहीं टाल सकते।
मेरे नागों ने नागरत्न का आदेश नहीं टाला है तूतन। इस भूतकाल में यद्यपि नागरत्न तेरे पास है परन्तु वर्तमान काल में...
अच्छा है नागराज! तूतन को बराबर की लड़ाई पसंद है।
...नागरत्न शक्ति धारक मैं हूं।
धूम
अंततः मेरा मकसद पूर्ण हो रहा है।
नागरत्न शक्ति के दोनों धारकों का एक ही समय काल में टकराव करवाना ही मेरा मुख्य उद्देश्य था।
इस एक तीर से मेरे दो शिकार होंगे, धोखे से तक्षक बन बैठे तूतन खामन और वर्तमान के तक्षक नागराज, दोनों का अंत।
फिर भूत से लेकर वर्तमान तक सिर्फ एक ही तक्षक होगा, नाग तांत्रिक विषंधर!

जागती आंखों से स्वप्न देखने वाले...
अक्सर मुंह के बल गिरते हैं। तेरी तरह!
धुम
तुम तुच्छ नागिनों का यह दुःसाहस कि नाग तांत्रिक विषंधर पर प्रहार करो।
...एमेंटा की शक्ति नाश कर देगी तुम्हारा।
बिना इस दंड और इच्छाधारी शक्ति के, तेरी बिसात हमारे सम्मुख कीड़े से अधिक नहीं है।
सबसे पहले तेरे हाथों से एमेंटा दंड छुड़ाना होगा।
भड़ाम
हम्फ! अपनी सम्पूर्ण इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग कर के भी मैं नागराज को पछाड़ नहीं पा रहा...

उफ!! नागराज की शक्ति का दबाव बहुत अधिक है।
बूम
तुम्हारी योजना सफल हुई बस्तेत।
नागराज तूतन को परास्त कर रहा है।
योजना का सिर्फ एक हिस्सा सफल हुआ है पिताश्री।
ब्रह्माण्ड के नियमों को हम देवता भंग नहीं कर सकते।
समय चक्र में जो घटनाएं जिस क्रम में घटी हैं देवताओं को उसी क्रम का पालन करना होगा।
मुझे आह्वाहन करना होगा आसमान के देवता अमुन का और अपनी शक्तियां सम्मिलित कर बनना होगा...
अमुन-रा
समय व ज्ञान के देवता थोथ, मैं तुम्हारा आह्वाहन करता हूं प्रकट हो।
म..मेरी शक्तियां अब इस प्रचंड...वेग का...सामना...

...नहीं कर ... सकतीं....आह... नही!!
मेरा नागरत्न... मेरी इच्छाधारी शक्ति!
तूतन खामन की इच्छाधारी शक्ति छिन चुकी है. देवता थोथ।
इस पापी के लिए एक ऐसे मकबरे का निर्माण करो जहां इसे 'युग-श्राप' देकर युगों-युगों तक के लिए कैद किया जा सके।
आदेश का पालन होगा देवताओं के अग्रणी अमुन-रा।
युग-श्राप के लिए युग पिरामिड का निर्माण करना होगा...
जोकि मेरे तीन नाग-पुत्र करेंगे।
मैं युग पिरामिड निर्माण के लिए समय द्वार खोल रहा हूं।
स्वर्ण पिरामिड का निर्माण तो तूतन ने देवता अनूबिस के कहने पर कराया था जिसे अनूबिस दूसरी दुनिया के द्वार के रूप में प्रयोग करता है।
यह देवता थोथ के नाग-पुत्रों द्वारा बनाया गया युग पिरामिड है जिसमें तूतन खामन को युग-श्राप देकर कैद किया गया था।
यह क्या? स्वर्ण पिरामिड के बगल में एक और पिरामिड रेत से निकल रहा है।
यही तो है तूतन खामन का मकबरा।
पर हम तो समझ रहे थे स्वर्ण पिरामिड ही तूतन का मकबरा है।
तूतन को आज़ाद करने वाली शक्ति हमें इसी पिरामिड में मिलेगी।

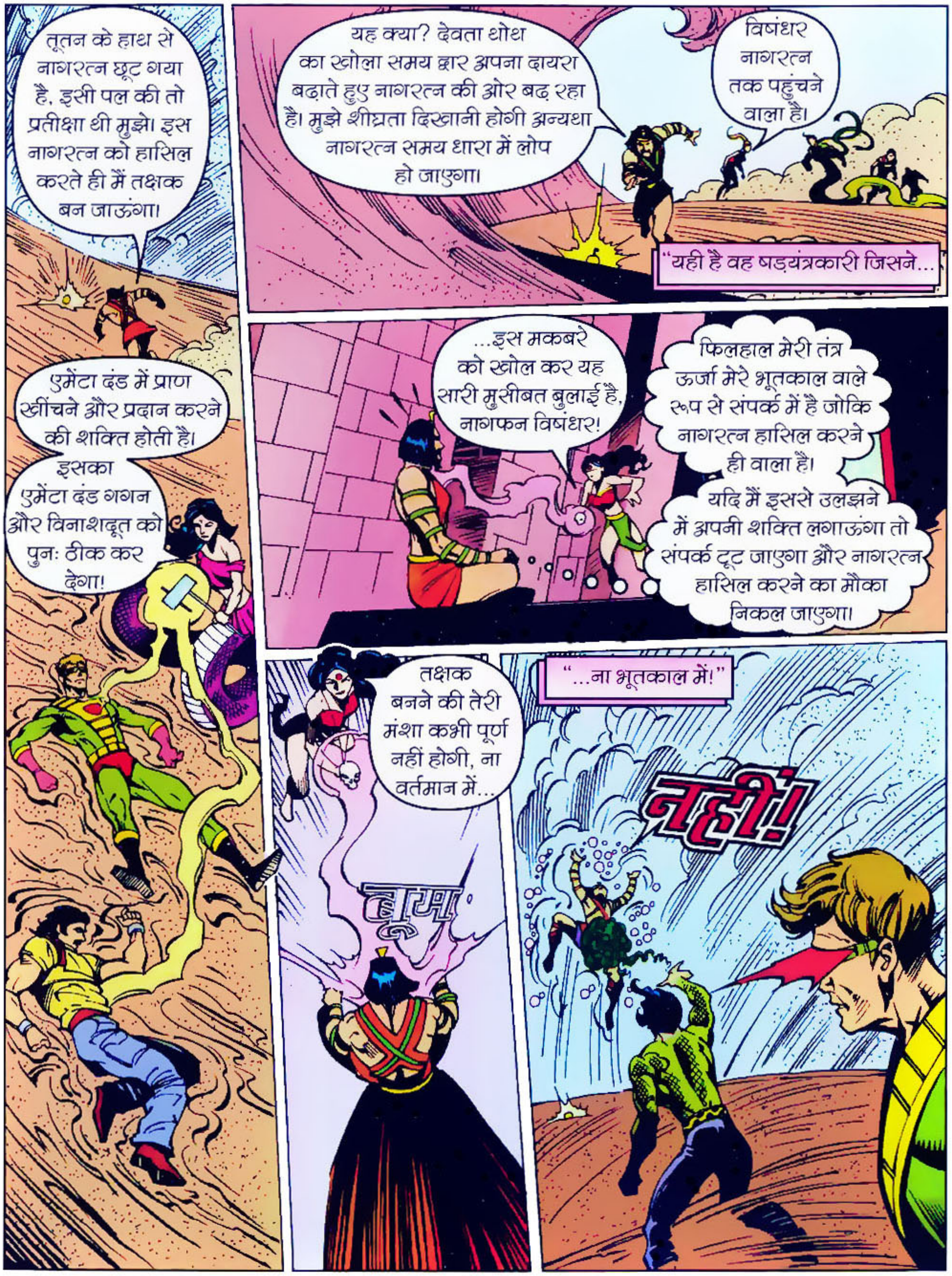
तूतन के हाथ से नागरत्न छूट गया है, इसी पल की तो प्रतीक्षा थी मुझे। इस नागरत्न को हासिल करते ही मैं तक्षक बन जाऊंगा।
यह क्या? देवता थोथ का खोला समय द्वार अपना दायरा बढ़ाते हुए नागरत्न की ओर बढ़ रहा है। मुझे शीघ्रता दिखानी होगी अन्यथा नागरत्न समय धारा में लोप हो जाएगा।
विषंधर नागरत्न तक पहुंचने वाला है।
"यही है वह षड्यंत्रकारी जिसने...
एमेंटा दंड में प्राण खींचने और प्रदान करने की शक्ति होती है।
इसका एमेंटा दंड गगन और विनाशदूत को पुनः ठीक कर देगा!
...इस मकबरे को खोल कर यह सारी मुसीबत बुलाई है, नागफन विषंधर!
फिलहाल मेरी तंत्र ऊर्जा मेरे भूतकाल वाले रूप से संपर्क में है जोकि नागरत्न हासिल करने ही वाला है।
यदि मैं इससे उलझने में अपनी शक्ति लगाऊंगा तो संपर्क टूट जाएगा और नागरत्न हासिल करने का मौका निकल जाएगा।
तक्षक बनने की तेरी मंशा कभी पूर्ण नहीं होगी, ना वर्तमान में...
"...ना भूतकाल में!"
बूम
नहीं!

विषंधर तो समय द्वार में समा गया लेकिन इस समय द्वार के तीव्र वेग ने नागरत्न को भी अपने भीतर खींच लिया है।
युद्ध के दौरान बस्तेत के हाथ से गिरी स्वर्णतंत्रा भी समय द्वार में लोप हो गई।
यह जंग हम जीत चुके हैं, अमुन-रा के सैनिक तूतन को बंदी बना रहे हैं।
बेशक ये जंग तुम लोग जीत चुके हो, लेकिन युद्ध अभी भी खत्म नहीं हुआ है।
बस्तेत! क्या मतलब युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ...
ओह!! समय द्वार का तीव्र वेग हमें अपनी ओर खींच रहा है।
अंतिम निर्णायक युद्ध तुम्हारी प्रतिक्षा कर रहा है नागराज!

ओह! यह विषंधर तो गायब हो रहा है...
और फिर से भीषण तूफ़ान आ रहा है।
इसका मतलब... नागराज और उसके साथियों ने विषंधर और तूतन खामन को भूतकाल में परास्त कर दिया है...
और अब लड़ाई वहीं से दोबारा शुरू होगी जहां पर रुकी थी...
ताहिरा! मॉँटी, चेतक!!
हम वापस अपने समय काल में आ गए...
सिर्फ हम ही वापस नहीं आए हैं साथियों...
ममी के रूप में तूतन खामन भी वापस आया है।
इसी मकबरे में दफन करूंगा तुम सबको!!!

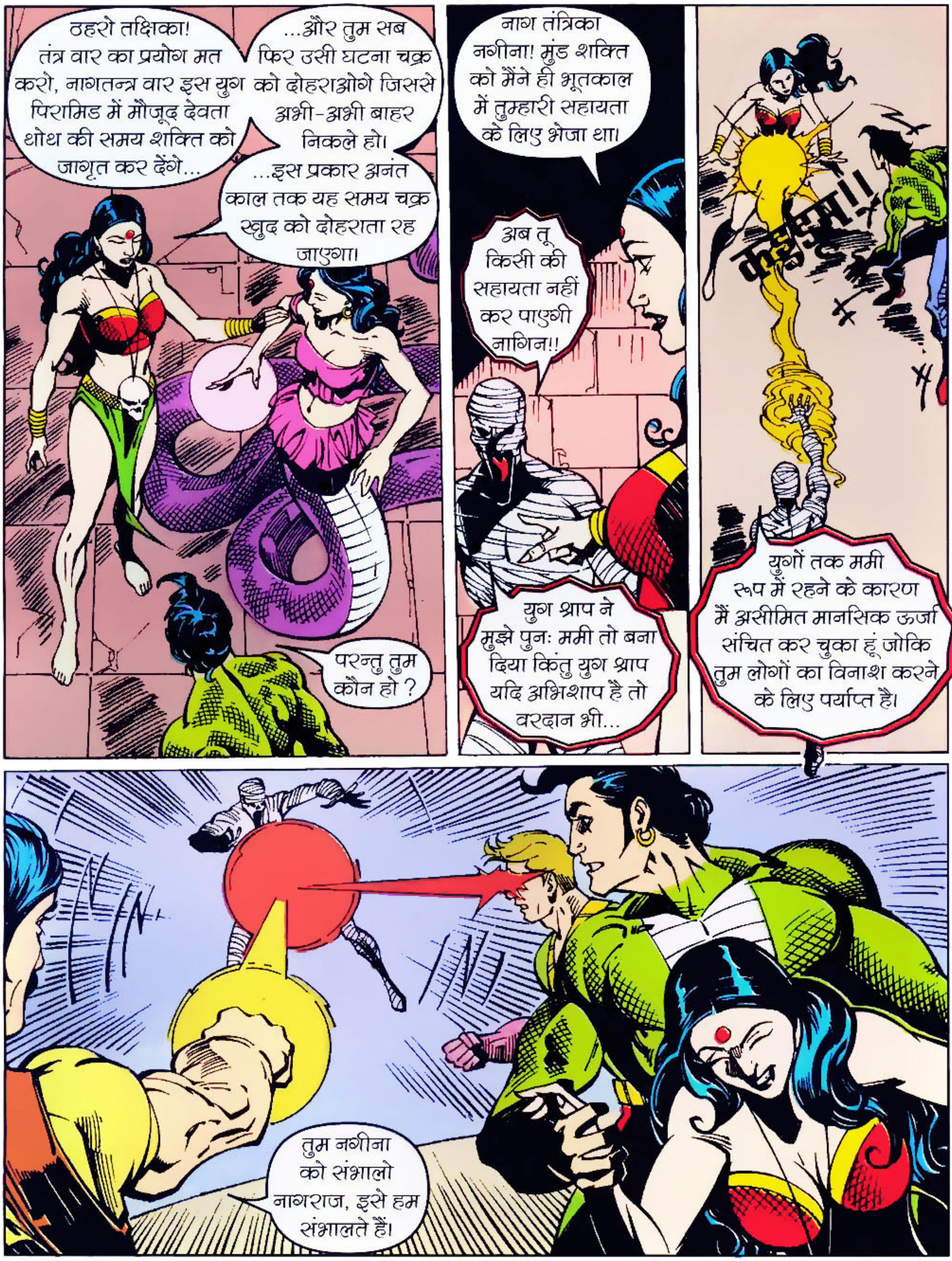
ठहरो तक्षिका! तंत्र वार का प्रयोग मत करो, नागतन्त्र वार इस युग पिरामिड में मौजूद देवता थोथ की समय शक्ति को जागृत कर देंगे...
...और तुम सब फिर उसी घटना चक्र को दोहराओगे जिससे अभी-अभी बाहर निकले हो।
...इस प्रकार अनंत काल तक यह समय चक्र खुद को दोहराता रह जाएगा।
परन्तु तुम कौन हो ?
नाग तंत्रिका नगीना! मुंड शक्ति को मैंने ही भूतकाल में तुम्हारी सहायता के लिए भेजा था।
अब तू किसी की सहायता नहीं कर पाएगी नागिन!!
युग श्राप ने मुझे पुनः ममी तो बना दिया किंतु युग श्राप यदि अभिशाप है तो वरदान भी...
कड़क्क!!
युगों तक ममी रूप में रहने के कारण मैं असीमित मानसिक ऊर्जा संचित कर चुका हूं जोकि तुम लोगों का विनाश करने के लिए पर्याप्त है।
तुम नगीना को संभालो नागराज, इसे हम संभालते हैं।

तेरे ही वार ने मेरे देश्रेट को मुझसे दूर किया था और तेरे ही वार ने मुझे फिर देश्रेट तक पहुंचा दिया।
वह मुखौटा तूतन की शक्तियों को कई गुना बढ़ा देगा...
...जिनके बल पर तूतन देवता थोथ का समय द्वार खोलने में कामयाब हो जाएगा।
तूतन को देश्रेट धारण करने से रोको नागराज।
धूम
इसके हाथ से देश्रेट छुड़ाना इसका स्थाई समाधान नहीं है। आखिर तूतन बार-बार थोथ का समय द्वार खोलने में सक्षम कैसे है?
तूतन ने युग पिरामिड निर्माण के दौरान ही नाग पुत्रों को मानसिक आदेश देकर इस पिरामिड में देवता थोथ की मूर्ती रुपी समय द्वार का निर्माण करा दिया ताकि जब भी वो पुनर्जीवित हो इस समय द्वार से समय में पीछे जाकर समय को बदल सके।
परन्तु वह यह भूल गए की नागरत्न धारण करने के कारण तूतन समस्त नागशक्तियों का सम्राट था।
देवता थोथ ने युग पिरामिड का निर्माण अपने तीन नाग पुत्रों से करवाया था।
तूतन को युग श्राप देते वक्त देवताओं से एक गलती हो गई थी।

देवता थोथ के तीन नाग पुत्र जिन्हें उनके पिता के सिवाय सिर्फ एक तक्षक ही आदेश दे सकता है।
जैसे-जैसे इस युग में मेरी समय अवधि बढ़ती जाएगी, मेरी शक्तियां और प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती जाएगी। तुम सबके सम्मिलित वार भी मुझे अब नुक्सान नहीं पहुंचा सकते।
और मेरी बढ़ती शक्तियों का एक वार ही तुम सबको तिनके की तरह उड़ाने के लिए काफी है।
अब ना तो मुझे कोई देश्रेट धारण करने से रोक सकता है ना ही समय द्वार खोलने से।
मुखौटा लगा कर जितना नाच दिखाना है दिखा ले...

क्योंकि समय द्वार खोलने का मौका अब तुझे कभी नहीं मिलेगा।
मैं नाग सम्राट नागराज देवता थोथ के नाग पुत्रों को प्रकट होने का आदेश देता हूं!!
आज्ञा दो नाग सम्राट।
झपाक
नाग पुत्रों, युग पिरामिड से समय द्वार सदा के लिए नष्ट कर दो!!
नहीं! मैं तंत्र तक्षक तूतन खामन तुम्हें रुकने का आदेश देता हूं।
तुम भूतकाल में नागरत्न गंवा चुके हो तूतन, हम तुम्हारा आदेश नहीं मानेंगे।
नहीं
कड़ड़ड़ाम

अब तू कभी भूतकाल में वापस नहीं जा सकेगा तूतन।
तूने मेरे पुर्नजीवित होने के एक मात्र जरिये को तबाह कर दिया नागराज...
अब तेरी तबाही ही मेरे पुर्नजीवन का एक मात्र मकसद होगी!!
कड़ाक
यह लो नागराज, विषंधर का यह एमेंटा दंड ही इसकी आत्मा को पुनर्विभक्त कर सकता है...

एमेंटा की शक्ति, जो प्राण दे भी सकती है और प्राण ले भी सकती है। आज यह शक्ति तेरे ममी रुपी शरीर से प्राण हर कर इस रूह के सही उत्तराधिकारियों को जीवन देगी।
आ..हह...मैं.. वापस... आऊंगा नागराज...तुझसे बदला लेने मैं..पुनः वापस.. आआ....
कड़ड़ाम

यह पांचों जाग रहे हैं, तूतन की विभक्त आत्मा फिर से इनके शरीर में वापस आ गई है।
क..क्या हुआ?
तू ना ही जान तो बेहतर है बेटे।

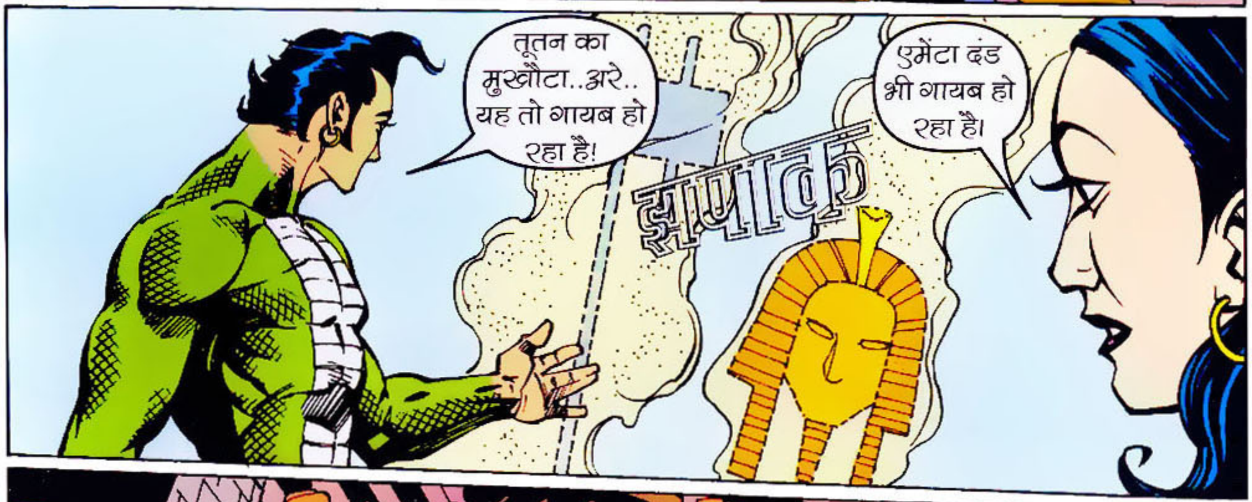
तूतन का मुखौटा..अरे.. यह तो गायब हो रहा है!
झपाक
एमेंटा दंड भी गायब हो रहा है।

यह जगह तो एकाएक सूखे पत्ते की तरह कांपने लगी...
यह पूरा मकबरा ध्वस्त हो रहा है...हम सबको फौरन बाहर निकलना होगा।

मकबरा और उसमें सोया शैतान एक बार फिर से हमुनाप्त्रा की रेत में दफन हो गए।
इस बार शायद सदा के लिए।
मकबरे के साथ-साथ अनुबिस का स्वर्ण पिरामिड भी ज़मींदोज़ हो गया।
धड़ड़ाम
धड़ड़ाम
यानी सभी मुसीबतों से फिलहाल के लिए छुटकारा।

बधाई हो वीर योद्धाओं, तुम सबने मिल कर असंभव को संभव कर दिखाया...
और मेरे विश्वास को गलत साबित नहीं होने दिया।
मेरे दिमाग में एक सवाल अभी भी घुमड़ रहा है।
यदि देवताओं को पता था कि तूतन ने युग पिरामिड में समय द्वार का निर्माण कराया है तो देवताओं ने उसे खुद ही नष्ट क्यों नहीं कर दिया?
क्योंकि समय द्वार सिर्फ वही नाग पुत्र नष्ट कर सकते थे जिन्होंने उसका निर्माण किया था।
और नागपुत्र सिर्फ तक्षक का आदेश मानते, इसीलिए तुमने नागराज को चुना!
बिल्कुल।
यदि बाकी देवता चाहते भी तो सम्मिलित होकर तूतन से नहीं लड़ सकते थे।
देवता ब्रह्माण्ड के नियमों से बंधे हुए होते हैं, यदि समय चक्र में एक बार मैं सूर्य देव और तूतन के बीच आई थी तो जितनी भी बार समय चक्र खुद को दोहराएगा मुझे फिर से उनके बीच आना ही होगा।
परन्तु यदि तूतन समय बदल सकता है तो देवता भी बदल सकते थे, क्या देवता स्वयं तूतन को पुनः हरा कर ऐसी जगह कैद नहीं कर सकते थे जहां से वो कभी बाहर ना निकल सके?
सूर्य देवता 'रा' को श्राप मिला हुआ है कि उनकी समस्त शक्तियां नागशक्ति के आगे क्षीण पड़ जाएंगी।

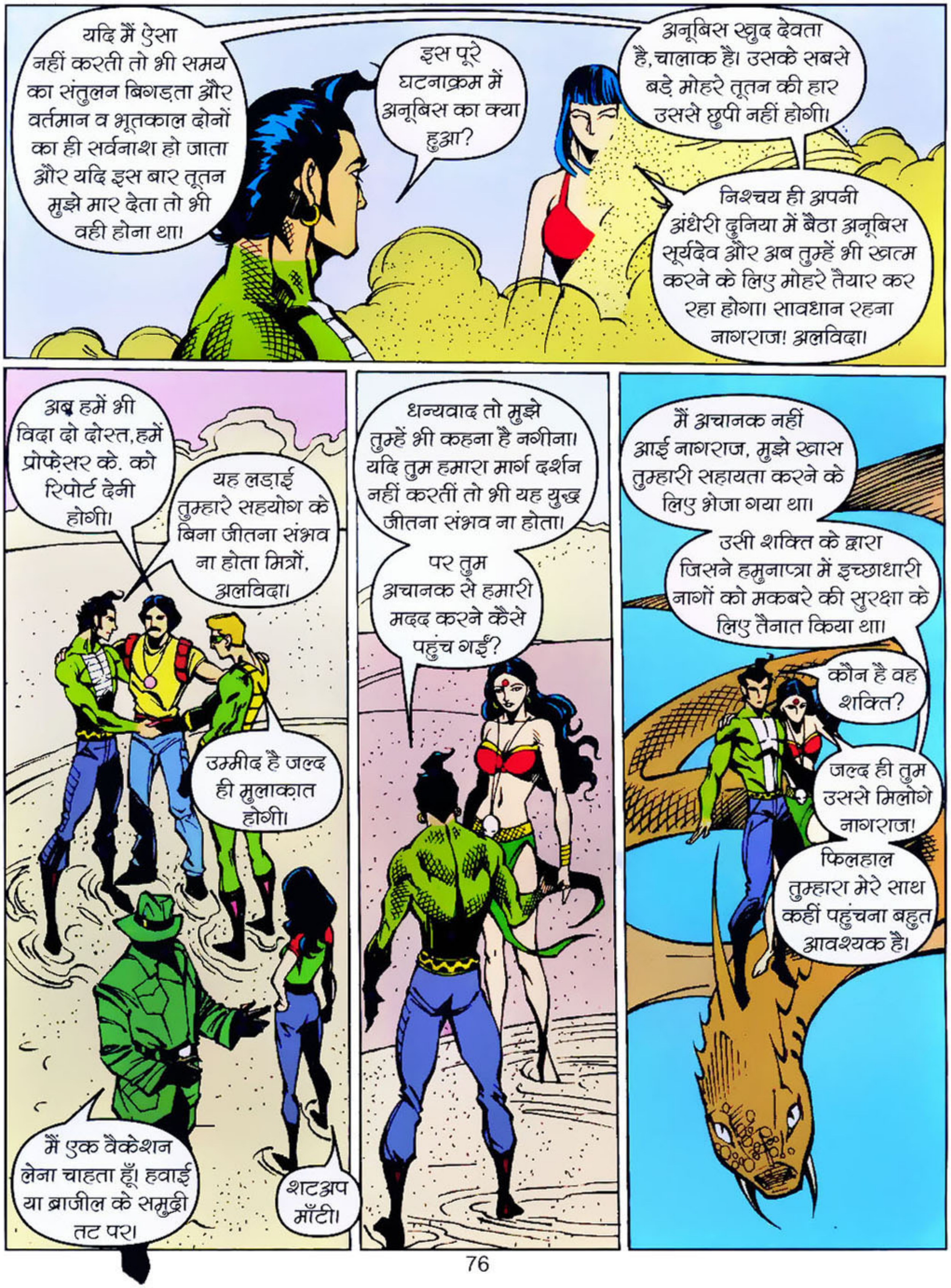
यदि मैं ऐसा नहीं करती तो भी समय का संतुलन बिगड़ता और वर्तमान व भूतकाल दोनों का ही सर्वनाश हो जाता और यदि इस बार तूतन मुझे मार देता तो भी वही होना था।
इस पूरे घटनाक्रम में अनूबिस का क्या हुआ?
अनूबिस खुद देवता है, चालाक है। उसके सबसे बड़े मोहरे तूतन की हार उससे छुपी नहीं होगी।
निश्चय ही अपनी अंधेरी दुनिया में बैठा अनूबिस सूर्यदेव और अब तुम्हें भी खत्म करने के लिए मोहरे तैयार कर रहा होगा। सावधान रहना नागराज! अलविदा।
अब हमें भी विदा दो दोस्त, हमें प्रोफेसर के. को रिपोर्ट देनी होगी।
यह लड़ाई तुम्हारे सहयोग के बिना जीतना संभव ना होता मित्रों, अलविदा।
उम्मीद है जल्द ही मुलाकात होगी।
मैं एक वैकेशन लेना चाहता हूँ। हवाई या ब्राजील के समुद्री तट पर।
शटअप मॉटी।
धन्यवाद तो मुझे तुम्हें भी कहना है नगीना। यदि तुम हमारा मार्ग दर्शन नहीं करतीं तो भी यह युद्ध जीतना संभव ना होता।
पर तुम अचानक से हमारी मदद करने कैसे पहुंच गईं?
मैं अचानक नहीं आई नागराज, मुझे खास तुम्हारी सहायता करने के लिए भेजा गया था।
उसी शक्ति के द्वारा जिसने हमुनाप्त्रा में इच्छाधारी नागों को मकबरे की सुरक्षा के लिए तैनात किया था।
कौन है वह शक्ति?
जल्द ही तुम उससे मिलोगे नागराज!
फिलहाल तुम्हारा मेरे साथ कहीं पहुंचना बहुत आवश्यक है।

हम काल पटल पर देख चुके हैं किस प्रकार नागराज ने उसे खत्म करने का दावा करने वाले नाग तांत्रिक विषंधर को समय धारा में सदा भटकने के लिए छोड़ दिया और तूतन खामन को उसके मकबरे के साथ हमेशा के लिए दफन कर दिया।
गलती हमारी ही है, हमने मोहरे गलत चुने... कमज़ोर चुने, लेकिन अब वो गलती हम दोहराना नहीं चाहते...
तुम्हें पहले हमें आश्वस्त करना होगा प्रोफेसर कौटिल्य नागमणि कि तुम एक कमज़ोर मोहरे नहीं हो।
हम कैसे विश्वास करें कि जो कार्य नागशक्तियों व तंत्र शक्ति के धारक विषंधर व तूतन नहीं कर सके वह तुम कर सकोगे?
हम कैसे मानें कि तुम इस काबिल हो कि नागराज को खत्म कर उससे नागरत्न हासिल कर सकोगे?
क्योंकि मेरी वजह से ही नागराज को नागरत्न प्राप्त हुआ है। मैंने ही नागराज को नागराज बनाया है।
अब मैं आपको नागराज के नागराज बनने की वह कहानी सुनाऊंगा जिससे आपको यकीन हो जाएगा कि नागराज को यदि कोई खत्म कर सकता है तो वो है खुद नागराज का निर्माता प्रोफेसर कौटिल्य नागमणि।

समाप्त?